आश्विन कृष्ण पक्ष-9, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 94 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

26 सितम्बर 2024 गुरुवार

आज का मौसम

28 अधिकतम

22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

दो दिन से इलाका बना था छावनी, वरिष्ठ पुलिस अफसर कर रहे थे सर्च

मिल गई बिटिया .. मगर मौन

राजधानी के वाजपेयी नगर से लापता बच्ची का शव पड़ोसी के घर मिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में दो दिन से लापता पांच साल की बालिका का शव आज उसी के पडोसी के घर में मिला। यह बालिका शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी से मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे के आसपास लापता हुई थी। तब दादी उसे आंगनबाड़ी केन्द्र से घर लेकर पहुंची थी। दादी सेकंड फ्लोर पर रहती हैं जबकि माता-पिता भूतल पर। बच्ची का शव दादी के पड़ोसी के घर ही मिला। इस बच्ची की तलाश में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी दो दिन से तलाश में जुटे थे और दावा किया गया था कि मल्टी में ही रहने वाले दर्जनों घरों की बारीकी से तलाशी ली गई थी। आज लाश बरामद होने के बाद क्षेत्र में गहमागहमी और तनाव का माहौल है। भारी भीड़ आसपास जमा है। पुलिस के प्रति भी लोगों में आक्रोश है। अभी बालिका की मौत की वजह नहीं बताई गई है, जांच और पीएम के बाद इसका खुलासा होगा। बताया जाता है कि जिस मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में बच्ची रहती थी, उसी के ब्लॉक नंबर 1 में पानी की टंकी में उसकी लाश मिली है। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आज हंगामा भी किया। लोगों का कहना है कि मल्टी के ही इसी बंद फ्लैट पर संदेह जताते हुए पुलिस से कल भी उसको खुलवाने की मांग की थी। आज उसी फ्लैट की टंकी में बच्ची का शव मिला है। बताया जाता है कि आज पुलिस ने सर्चिंग के दौरान पड़ोसी के घर का ताला तोड़कर प्रवेश किया तो पानी की टंकी में बालिका का शव मिला।

इलाके में तनाव, पुलिस पर बरस रहे लोग

बताया जाता है कि बीती रात भी करीब डेढ़ सौ से अधिक पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने मल्टी में और आसपास बच्ची की तलाश की, लेकिन बच्ची का सुराग नहीं लग सका था। समय बढ़ते जाने के कारण परिजन और पुलिस दोनों में ही निराशा व अनहोनी की आशंका का माहौल भी बनने लगा था। ज्ञात हो कि वाजपेयी नगर ए-1 मल्टी निवासी व पैसे से ड्राइवर की। चार बेटियों में उनकी सबसे छोटी 5 साल की बेटी घर से करीब 100 मीटर दूर बनी आंगनबाड़ी में पढ़ती थी। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे सुभाष की मां सुमाबाई आंगनबाड़ी से नातिन को लेकर अपने फ्लैट में पहुंचीं। उसने पानी पीने के बाद दादी से कहा कि वह अपने घर से किताब लेने जा रही है। वह सीढ़ियों से उतरकर ग्राउंड फ्लोर में अपने घर के लिए निकल आई। करीब 20 मिनट तक वह किताब लेकर दादी के पास नहीं पहुंची तो दादी बेटे के कमरे में देखने पहुंची। मगर नातिन नहीं दिखी। आपपास के लोगों से पूछा, लेकिन किसी ने बच्ची के बारे में नहीं बताया। तब दादी ने बेटे को बताया।

फॉगिंग की वजह से बंद कराया था दरवाजा

दरअसल, मंगलवार दोपहर नगर निगम की टीम इलाके में फॉगिंग कर रही थी। धुंआ घरों में नहीं घुसे इसलिए रहवासियों ने अपने दरवाजे बंद कर लिए। मल्टी के पास काफी धुंध थी। इसी बीच बच्ची लापता हो गई। पुलिस ने फॉगिंग टीम में शामिल कर्मचारियों के भी बयान लिए लेकिन वह बच्ची के बारे में कोई इनपुट नहीं दे पाए।

सीसीटीवी में दादी के साथ आते आखिरी बार दिखी

पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए थे। जिसमे बच्ची अपनी दादी के साथ आंगनबाड़ी से आते हुए तो दिख रही है। लेकिन, घर पहुंचने के बाद वह किस तरफ गई इसके फुटेज नहीं थे, न ही कोई उसे लेकर जाते हुए कैमरे में कैद हुआ। पुलिस मल्टी के अलावा रास्तों के सीसीटीवी फुटेज तक चेक किए थे।

छह साल से लापता है इसी इलाके का कान्हा

शाहजहांनाबाद स्थित 108 कार्यालय के सामने से 3 सितंबर 2018 को बाइक सवार बदमाशों ने 9 महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया था। मुख्य सड़क से पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला था। बावजूद इसके पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी। साथ ही बच्चे का भी छह साल बाद सुराग नहीं लगा सकी। जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे 108 कार्यालय के सामने मैदान में टपरा बनाकर रहे रहे राकेश ढोढ़ियार के घर दो बाइक सवार पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर आपके 9 महीने के बच्चे को कृष्ण बनाना चाहते हैं। वे बच्चे को लेकर 15 मिनट में आ जाएंगे। राकेश की पत्नी ने मना किया तो वह जिद करने लगे। इस पर राकेश ने भी साथ चलने का कहा था। बाइक स्टार्ट करने के बाद पीछे बैठे बदमाश ने बच्चे को गोद में ले लिया। राकेश बाइक पर बैठते इससे पहले ही बदमाश ने उन्हें धक्का दिया और बच्चे को लेकर फरार हो गए थे।

हरियाणा इलेक्शन मिशन पर पहुंचे सीएम यादव, तीन सभा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज हरियाणा में चुनाव प्रचार पर निकले हैं। वे कल से दिल्ली में ही थे। सीएम आज विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने हरियाणा के दादरी, भिवानी और बवानी खेरा विधानसभा में पहुंच रहे हैं। सबसे पहले आज दादरी विधानसभा में चरखी दादरी के रावतुला राम खेल स्टेडियम में बीजेपी प्रत्याशी सुनील सांगवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद वे भिवानी पहुंचे। यहां सभा के बाद वे अपरांह बवानी खेरा विधानसभा के मिलकपुर में पार्टी जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

बारिश के चलते मोदी का पुणे दौरा हुआ रद्द

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पुणे दौरा रद्द करना पड़ा है।। दरअसल, महाराष्ट्र के कई शहरों में भारी बारिश के कारण हालात चिंताजनक हैं। सड़कों पर जलभराव के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच पीएम मोदी राज्य का दौरा करने वाले थे। वे यहां पुणे मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ के साथ ही वह 22,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी करने वाले थे। हालांकि, बारिश के कारण पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला लिया गया है। मुंबई पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम विभाग की तरफ से जारी चेतावनी जारी की है।

शुक्र मिशन चार साल बाद लांच होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने हाल में मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, ऑयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है।

कलेक्टर को देखने रूके लोग, तो बोलीं-यहां से जाओ या सफाई कराओ

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान की चर्चित आईएएस अफसर व अब बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी शहर को साफ करने के लिए सड़कों पर उतर गई। उन्होंने हाथ में माइक लेकर नवो बाड़मेर अभियान के तहत मुख्य चौराहे अहिंसा सर्कल से राजकीय अस्पताल तक की सड़क पर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान जब अभियान देखने के लिए सड़कों पर लोक रुकने लगे तो डाबी ने कहा कि या तो यहां से चले जाइए या फिर सफाई में हाथ बंटाएं। रुकोगे तो यहां सफाई करवाऊंगी। टीना माइक लेकर शहर की सड़कों पर लोगों से सफाई को लेकर अपील करती नजर आई। सड़क के किनारे संचालित हो रही दुकानों और ठेला संचालकों को दुकानों के आगे सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के लिए पाबंद किया।

सेंसेक्स ने बनाया नया ऑल टाइम हाई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का चांदी है, बीते कुछ समय से तो बाजार में एक के बाद एक रिकॉर्ड बन रहे हैं। आज भी फिर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स खुलते ही नए ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी सेंसेक्स के कदम से कदम मिलाकर चलता दिखाई दिया। मार्केट ओपन होने के कुछ ही मिनटों में सेंसेक्स अंक से ज्यादा उछल गया था। फिर यह 170 अंक से ज्यादा चढ़कर 85,372.17 के नए ऑल टाइम हाई लेवल पर कारोबार करने लगा। कल शाम सेंसेक्स 85,169.87 पर क्लोज हुआ था।

केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली में सीबीसी भवन में पौधारोपण किया व स्वच्छता की शपथ दिलाई।

वैष्णोदेवी सीट पर 80 फीसद वोटिंग से हतप्रभ दल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 सीटों के लिए हुए मतदान में उत्साह से भरे मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। मगर सबसे अधिक वोटिंग हॉट सीट में शुमार वैष्णो देवी सीट पर हुई, जहां 79.95 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। यह नई सीट परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई है। बीजेपी ने इस सीट को लेकर पूरी ताकत झोंकी और खुद पीएम मोदी इस सीट को लेकर प्रचार के लिए कटरा पहुंचे थे। दरअसल, हाल के लोकसभा चुनावों में उप्र की फैजाबाद (अयोध्या) सीट भाजपा हार गई थी और फिर विधानसभा उपचुनाव में उत्तराखंड की बदरीनाथ की सीट भी नहीं जीत सकी।

मौसम की करवटें: कई हिस्से तरबतर, बूंदाबांदी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बने निम्न दबाव प्रणाली के कारण आंध्र और दक्षिण ओडिशा के तटों से उत्तर-पश्चिमी खाड़ी में भारी बारिश और आंधी आने की संभावना है। मप्र में भी तेज बारिश के सिस्टम की वजह से कई हिस्से फिर तरबतर है। आज जबलपुर, सागर समेत 16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल में सुबह से बादल छाए हैं। जबकि बैतूल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, झाबुआ, धार, मऊगंज, अनूपपुर, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, मंडला और सागर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

उधर मौसम विभाग ने कहा है कि तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के अलग-अलग इलाकों में मध्यम बारिश होगी। जबकि सौराष्ट्र और कच्छ में पूरे हफ्ते वर्षा होगी। इस बीच 26 सितंबर को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा में तथा 27 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

झारखंड में मालगाड़ी पलटी, कई ट्रेनें फंसी

बोकारो, एजेंसी। झारखंड के बोकारो में एक ट्रेन हादसा हुआ है। एक मालगाड़ी पटरी से उतरकर पलट गई। इस हादसे के चलते कई ट्रेनों के संचालन में देरी हुई है और वहीं कई ट्रेनों के मार्ग को बदला गया है। ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। आरपीएफ की टीम घटना की जांच कर रही है। दरअसल बोकारो के तुपकाडीह से गुजर रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पलट गए। यह घटना तुपकाडीह और राजाबेरा सेक्शन के बीच हुई। मालगाड़ी बोकारो स्टील प्लांट से स्टील की खेप लेकर आ रही थी। ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना तुपकाडीह स्टेशन के उत्तरी केबिन यार्ड के पास हुई और इससे बोकारो-गोमो सेक्शन पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। हादसे के बाद डाउन लाइन ट्रैक पर ट्रेनों का परिचालन स्थगित कर दिया गया है।

आखिर कब तक जेल में रखेंगे, ईडी से सवाल

सौम्या को जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पूर्व उपसचिव सौम्या चौरसिया को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई। वे मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की रडार पर हैं। मगर इस मामले में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने बिना आरोप तय किए आरोपियों को जेल में बंद रखने और ईडी की कम सजा दर पर नाराजगी भी जताई। जस्टिस भुयान ने कहा- 'बिना आरोप तय किए आप किसी को कब तक जेल में रख सकते हैं? कोर्ट ने ईडी से यह भी पूछा कि क्या वह किसी आरोपी को सालों तक जेल में रख सकता है? इससे पहले छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने चौरसिया की अर्जी खारिज की थी। वह दिसंबर 2022 से जेल में थीं।

उल्लेखनीय है कि सौम्या पर कोयला घोटाले में शामिल होने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी साफ किया है कि अंतरिम जमानत मिलने पर भी छत्तीसगढ़ सरकार सौम्या को उनके पद पर बहाल नहीं करेगी।

मेट्रो एंकर

पूर्व पीएम मना रहे जन्मदिन, मोदी और राहुल ने दी बधाईयां

मनमोहन बनने का हुनर सभी के बस की बात नहीं..!

नई दिल्ली दोपहर मेट्रो, एजेंसी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय राजनीति में ऐसा सौम्य चेहरा हैं जो उन्हें अपने समकालीन ही नहीं बल्कि बाद के नेताओं में भी अलग पहचान दिलाता है। वे अजातशत्रु की तरह हैं और आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। 2004 से लेकर 2014 तक लगातार 10 साल देश के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन इससे पहले वित्त मंत्री भी रहे। उन्हें भारत में बड़े आर्थिक सुधार का जनक माना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य दीर्घायु की कामना करता हूं। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया-, 'हमारे देश के भविष्य को आकार देने में आपकी विनम्रता, बुद्धिमत्ता और निस्वार्थ सेवा मुझे और लाखों भारतीयों को प्रेरित करती रहेगी। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की सरकार में वह 1985 से 1987 तक भारतीय योजना आयोग के प्रमुख के पद पर भी रहे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के साथ भी काम किया। वे रिजर्व बैंक गवर्नर भी रहे। उन्होंने कई बैंकिंग सुधार किए। वे 1991 में असम से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए। फिर 1995, 2001, 2007 और 2013 में भी उच्च सदन के सदस्य रहे। हालांकि 99 में वह दक्षिणी दिल्ली से चुनावी मैदान में उतरे, लेकिन जीत नहीं सके। दिलचस्प यह कि कांग्रेस ने 09 का लोकसभा चुनाव मनमोहन सिंह के नेतृत्व में लड़ा था। मगर, वह खुद चुनावी दंगल में नहीं उतरे थे। राज्यसभा का सदस्य रहते हुए प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड भी उनके ही नाम दर्ज है।

वक्त पड़ने पर सौम्य हाजिरजवाब

डॉ. मनमोहन सिंह शांत और अपने सरल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि उनकी पार्टी के राजनीतिक विरोधी भी उनका सम्मान करते हैं। वे कम जरूर बोलते हैं लेकिन वक्त पड़ने पर उनकी हाजिरजवाबी भी सामने आई है। हिंदी, अंग्रेजी,पंबाजी व उर्दू पर उनकी मजबूत पकड है। इसीलिये संसद में भाजपा की दिग्गज नेता सुषमा स्वराज और उनके बीच शेरो-शायरी के जरिये नोंकझोंक आज तक याद की जाती है। डॉ. सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए मिर्जा गालिब का मशहूर शेर पढ़ा था, `हमको उनसे है वफा की है उम्मीद, जो नहीं जानते वफ़ा क्या है। हालांकि, इसके जवाब में सुषमा स्वराज ने भी उन्हें शायरी के जरिए जवाब दिया था। तो मनमोहन ने फिर शायरी से ही पलटवार किया था।

नवरात्र की तैयारीः प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे कलाकार

भोपाल। पुराने शहर में नवरात्रि की तैयारी अंतिम चरण में है। प्रतिमा बना रहे बंगाली कलाकार।

शहर का पर्यावरण बिगाड़ रहे रैपर्स, अब गमले और टेबल की शक्ल लेंगे !

उपयोग के बाद उसी कीमत पर वापसी भी, खरीद शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में यहां वहां फेंका जाने वाला चिप्स, डिटर्जेंट पाउडर, चॉकलेट, तेल-आटे के पैकेट और प्लास्टिक रैपर आदि से पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए नए जतन शुरू किये गये हैं। अब इनसे गमले, टेबल, कुर्सी, डस्टबिन, चद्दर शेड, मॉड्यूलर टॉयलेट, पैनल और पलंग आदि उपयोगी उत्पाद बनाये जाने की तैयारी है। इसके लिए आदमपुर कचरा खंती के पास प्लांट लगाया गया है जिसे 2 अक्टूबर से शुरू करने की योजना है। इस प्लांट में रोज 5 टन रैपर की खपत होगी। नगर निगम ने शहर के कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर उक्त रैपर की खरीदी के लिए व्यवस्था की है यह रैपर ढाई रुपए प्रतिकिलो की दर से खरीदा जाएगा। इसके पीछे दो उदेश्य हैं। पहला यह कि अब तक गैर उपयोगी माने जाते रहे इस रैपर को एकत्रित करके बेचने से सफाई मित्रों को आय होगी। वहीं रैपर की बिक्री नहीं होने से ये जहां-तहां पड़े रहकर गंदगी की वजह बनते थे, अब बिक्री होने से इधर-उधर फैले नहीं रहेंगे।

इंसेंटिव मिलेगा

इस नवाचार के लिये राजधानी में सफाई मित्रों की ओर से पैकेजिंग मटेरियल एकत्रित करना भी शुरू कर दिया गया है। कल से इसकी खरीदी शुरू हो गई है। सफाई मित्रों को रैपर की कीमत के अलावा इंसेंटिव भी दिया जाएगा। 25 किलो रैपर एकत्रित करने पर स्टील के छह गिलास का सेट दिया जाएगा। बताया जाता है कि यह प्रोजेक्ट पीपीपी मोड पर लगाया गया है। इसके तहत जो प्रोडक्ट बनेंगे, उनकी बिक्री की जाएगी। लोग जिस कीमत पर इन प्रोडक्ट को खरीदेंगे, सालों तक इस्तेमाल करने के बाद उसी कीमत पर कंपनी को वापस दे सकेंगे।

सड़कों से गायों को हटाने हाइटेक गौशाला निर्माण की तैयारी ने तेज रफ्तार

आए दिन दुर्घटना व गंदगी से जागा प्रशासन, सर्वे कराने के बाद बनी डीपीआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी की सड़कों पर बडी तादात में बैठी रहने वाले गौवंश को हटाने के लिये फिर नयी मुहिम शुरू की जा रही है। हालंकि इस बार 10 करोड़ रुपए की लागत से हाईटेक गोशाला बनाने का इरादा है। यह गोशाला सूखी सेवनिया के बरखेड़ी में बनाई जाएगी। इसमें करीब 5000 मवेशियों को एक साथ रखा जा सकेगा। शासन से अनुमति मिलते ही इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। अभी शहर में अनुमान के मुताबिक करीब दस हजार आवारा पशु व गोवंश का डेरा रहता है। इससे आये दिन दुर्घटना होती हैं व गंदगी बनी रहती हैं।

जानकारी के मुताबिक हाल ही में कलेक्टर द्वारा इस मामले में सर्वे भी कराया गया था। सर्वे में निकलकर आया है कि भोपाल में सड़कों पर 200 जगह ऐसी हैं जहां हररोज आवारा मवेशी बैठते हैं। इनकी संख्या करीब छह हजार से ज्यादा बताई गई है। अयोध्या बायपास, कोलार रोड, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, रातीबड़, नेहरू नगर, कोटरा, बैरागढ़ और हमीदिया रोड पर बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर नजर आते हैं। इसके अलावा शहर की अंदरूनी बस्तियों व अन्य सडकों पर भी यही स्थिति है। दूसरी तरफ नगर निगम के पास अभी गाय रखने की क्षमता 1000 है। निजी गोशाला संचालकों ने नगर निगम से गोवंश लेना बंद कर दिया है। इस कारण नई गोशाला बनाए जाने की जरूरत है। कलेक्टर का कहना है कि डीपीआर तैयार की जा चुकी है। जमीन भी चिह्नित की है। शासन से मंजूरी मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि अभी शहर में अभी 6 से ज्यादा जगह पर गोशाला हैं। किसी में 50 तो किसी में 100 की क्षमता है। शहर भर से पकड़े गए मवेशी किस गोशाला में रखे गए हैं, इसकी मॉनिटरिंग नहीं होती है। इस कारण कई बार मवेशी मालिक भी यहां से वहां भटकता रहता है। एक जगह सभी मवेशी होने से उनका रिकॉर्ड रखना और देखभाल करना आसान हो जाएगा।

वेटरनरी डॉक्टर और स्टाफ की पहल

बताया जाता है कि गौशाला में पशुओं की एंट्री से लेकर उनकी देखभाल और मेडिकल जांच रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। गोवंश को कहां से कौन कब लाया है, ये सारा रिकॉर्ड ऑनलाइन रखा जाएगा। अभी शहर में मौजूद ज्यादातर गोशालाओं में गंदगी पसरी रहती है, लेकिन यहां मशीनों के जरिये सफाई होगी। मवेशियों का आहार भी मशीनों के जरिये ही तैयार किया जाएगा। वेटरनरी डॉक्टर व गायों की देखभाल के लिए अलग से स्टाफ होगा।

नए आपराधिक कानूनों पर व्याख्यान का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सत्य साई महिला महाविद्यालय,भेल विधि संकाय द्वारा 'नए आपराधिक कानूनों' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध विधि विशेषज्ञ चिन्मय पांडे थे। व्याख्यान में पांडे ने हाल ही में लागू किए गए आपराधिक कानूनों में संशोधनों पर गहराई से चर्चा की। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में हुए बदलावों को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। पांडे ने बताया कि यह संशोधन किस प्रकार से देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक न्यायपूर्ण, तेज और पारदर्शी बना रहे हैं। उन्होंने नए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी जोर दिया और बताया कि कैसे ये सुधार न केवल पीड़ितों के अधिकारों को सशक्त करेंगे, बल्कि न्यायिक प्रक्रियाओं में भी तेजी लाएंगे। उन्होंने छात्राओं के साथ-साथ महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और विधि विभाग की प्राध्यापिकाओं-प्रियम्वदा भार्गव, चारु त्रिवेदी, शालिनी कैथवास, रजनी शर्मा, वर्षा वरवड़े की उपस्थिति में अपने विचार साझा किए। महाविद्यालय की निदेशक डॉ. प्रतिभा सिंह ने पांडे को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ब्राह्मणों की विदाई के साथ हुआ भागवत कथा का विश्राम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सैनिक कॉलोनी नुक्कड़ वाली माता मंदिर में श्रीमद भागवत का विश्राम हो गया है। अंतिम दिन यजमानों ने ब्राह्मणों को विदाई दी। आचार्य अनिल रूद्र ने पितरों का श्रद्धा एवं विधि विधान से पितरों का तर्पण कार्य कराया। आचार्य विदाई मुख्य यजमान पूर्व जिला पंचायत के सदस्य विष्णु विश्वकर्मा ने की। पंडित रवि पटेरिया ने यजमान एवं नुक्कड़ वाली माता, भगवान भोलेनाथ, पितृ देवताओं का निर्विघ्नम कार्य संपन्न होने के लिए प्रणाम किया। इस अवसर पर आचार्य बृजेश भार्गव, आचार्य गोविंद राम गर्ग, आचार्य जीवन प्रसाद तिवारी, आचार्य धर्मेंद्र पटेरिया, पंडित संदीप पचौरी का श्रद्धालुओं ने पूजन किया। बता दे पितृ पक्ष में पितरों को श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण करते हुए अपनी भावांजलि अर्पित की। कथा मर्मज्ञ आचार्य रूद्र ने कहा कि पितृपक्ष कथा का श्रवण मात्र से पितरों का पूर्ण स्मरण हो जाता है। वैसे भी भागवत कथा पुण्य फलदायक है।

हाजीपुर दिवस मना रहे फौजी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवानिवृत्त कर्नल नारायण पारवाणी ने हाजीपुर दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। पारवानी ने हाजीपुर लड़ाई के इतिहास को रखा है।

पारवानी ने बताया कि 59 वर्ष पहले 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में युद्धविराम होने पर भारत का पलड़ा भारी था। इसका मुख्य कारण हमारी वीर सेना का सामरिक महत्व के हाजीपीर पास पर पूर्ण नियंत्रण था। मुझे गर्व है कि 1978 मे सेना में कमीशंड अफसर बनने पर जिस पल्टन का मैं हिस्सा रहा। उस पल्टन ÷56 अभियंता सैन्य दल (56 इंजीनियर रेजीमेंट)÷ का हाजीपीर की लड़ाई मे महत्वपूर्ण योगदान रहा था। हाजीपीर की लड़ाई में भाग लेने वाले मेरी पल्टन के सभी वीर सैनिकों को मेरा नमन तथा 1965 के युद्ध मे शहीद हुए तीन हजार से भी अधिक भारतीय वीर सैनिकों को भावभीनी श्रध्दांजलि अर्पित करता हूं। पारवानी ने कहा कि हाजीपीर दिवस हमारे आधुनिक इतिहास का स्वर्णिम पृष्ठ है। इसी अवसर पर 56 अभियंता सैन्य दल में वर्तमान मे कार्यरत अधिकारी और सैनिक तथा पल्टन मे अपनी सेवाएं दे चुके पूर्व अधिकारी और सैनिक तीन दिवसीय 59 वे हाजीपीर दिवस के समारोह के लिए जहां वर्तमान मे 56 अभियंता सैन्य दल कार्यरत हैं। एकत्रित हुए हैं और 1965 भारत-पाकिस्तान युद्ध विशेषकर हाजीपीर दर्रे पर विजय के पलों को फिर से ताजा कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर | दीनदयालजी की जयंती पर घर-घर जाकर सदस्य बनाए

बसंल ने बूथ 83 पर सदस्यता लक्ष्य से ज्यादा सदस्य बनाएं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती हर बूथ पर 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य संतनगर में पूरा किया गया। भाजपा नेताओं ने घर-घर जाकर मिस कॉल कराकर लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया। संतनगर मंडल के बूथ 83 पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने कार्यकर्ताओं के साथ लक्ष्य को पूरा किया। सदस्यता अभियान की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। वार्ड में घर और दुकानों पर लोगों भाजपा का सदस्य बनाया गया। पार्टी के केन्द्र एवं राज्य स्तर पर किए जा रहे ल्याणकारी काम को रखा गया। बसंल ने कहा कि भाजपा देश ही नहीं दुनिया की इकलौती ऐसी सियासी पार्टी है, जिसकी सदस्यता संख्या एक रिकॉर्ड है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन से अभियान की शुरूआत हुई थी, 25 सितंबर बुधवार को पंडित दीनदयालजी की जयंती पर सदस्यता अभियान में विशेष दिन था। बूथ 83 पर 110 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। अब तक बूथ पर 380 सदस्य बनाए जा चुके हैं। राष्ट्रवादी विचारधारा वाले राजनीतिक दल भाजपा के साथ जोड़ने के लिए लोगों का आभारी हूं। अभियान में बूथ अध्यक्ष बृजेश ओटले, बूथ प्रभारी रमेश गुड्डू मेहरा सहित बूथ समिति के सदस्य शामिल रहे।

बिना सुरक्षा-अनुमति चल रहे स्विमिंग पूल नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेशभर के 13 मामलों में संज्ञान लिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेशभर के 13 मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला राजधानी भोपाल में बिना सुरक्षा, सुविधा एवं अनुमति के चल रहे स्विमिंग पूल का है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने बिना अनुमति चल रहे स्विमिंग पूलों पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है। दरअसल, आयोग के संज्ञान में आया है कि, भोपाल जिले में अधिकांश स्विमिंग पूल के बिना सुविधा एवं सुरक्षा और बिना अनुमति के संचालित हो रहे हैं। नगर निगम द्वारा स्विमिंग पूल के संचालकों को नोटिस भी दिया गया है, जिसमें तत्काल संचालन बंद करके विधिवत अनुमति प्राप्त करें। लेकिन इसके बावजूद न तो किसी ने अनुमति ली और न ही संचालन बंद करने की सूचना दी है।

वेंटिलेटर के सहारे बच्चे

सीहोर जिले के जिला अस्पताल स्थित नवजात गहन चिकित्सा इकाई में एसएनसीयू के दो वेंटिलेटर के खराब पड़े होने का मामला सामने आया है। चिकित्सा इकाई के एसएनसीयू में लगे चार वेंटिलेटर में से दो खराब पड़े हुये है, इस कारण दो से ज्यादा नवजातों के आ जाने से एसएनसीयू में चिंताजनक स्थिति हो जाती है। आयोग ने सीएमएचओ से मामले की जांच कराकर एसएनसीयू के वेंटिलेटर के रख रखाव व सुधार एवं सरफेक्टेट की उपलब्धता के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

झोपड़ी में पढ़ने को मजबूर स्कूली बच्चे

नर्मदापुरम जिले के इटारसी के समीप विकासखंड केसला से जुड़े ग्राम पंचायत डोबी तालपुरा के खटामा में बने स्कूल की जर्जर हालत होने से विगत दो माह से स्कूली बच्चों बांस-बल्लियों से बनी झोपड़ी में पढ़ने का मामला सामने आया है। स्कूल भवन की जर्जर हालत होने की वजह से बच्चों को झोपड़ी में पढ़ने को मजबूर होना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी से स्कूल भवन की मरम्मत/निर्माण की क्या कार्यवाही की गई है, जिससे बच्चों को उचित शिक्षा मिल सके, के संबंध में एक माह में प्रतिवेदन मांगा है।

तहसीलदारों की हड़ताल के बाद सरकार एक्शन में

तहसीलदारों पर सीधे एफआईआर दर्ज नहीं करने कलेक्टरों को हिदायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजस्व महकमे ने अब सभी कलेक्टरों को 3 साल पुराने आदेश का रिमाइंडर भेजा है। जिसमें कहा है कि तीन साल पहले राजस्व न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में तहसीलदारों को मिले अधिकार का ध्यान रखा जाए। दरअसल, जबलपुर में जमीन के नामांतरण के मामले में तहसीलदार के खिलाफ एफआईआर और गिरफ्तारी के बाद तहसीलदार हड़ताल पर चले गए थे, जैसे-तैसे राजस्व मंत्री और पीएस की समझाइश के बाद 5वें दिन हड़ताल खत्म हो सकी है।

अब इस मामले में अपर मुख्य सचिव गृह को भी पत्र लिखकर बताया है कि इन अधिकरियों को प्राप्त न्यायाधीश के अधिकार को ध्यान में रखकर ही अधीनस्थ अफसरों को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाए। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने कलेक्टरों को निर्देश में कहा है कि न्यायाधीश (संरक्षण) अधिनियम 1985 के अंतर्गत राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों को संरक्षण दिए जाने के आदेश 25 मार्च 2021 को जारी किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के भी इसको लेकर 31 जनवरी 1994 में निर्देश हैं। इसलिए सभी संभागायुक्त और कलेक्टर यह ध्यान रखेंगे कि राजस्व न्यायालय के सभी पीठासीन अधिकारी जो एमपी भू-राजस्व संहिता की धारा 31 या किसी विधिक प्रावधान में अर्द्धन्यायिक या न्यायिक कार्यवाही कर रहे हैं, वह न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम 1985 की धारा 2 के अंतर्गत न्यायाधीश हैं। उन्हें ऐसी अर्द्धन्यायिक और न्यायिक कार्यवाही के दौरान किए गए किसी कार्य के विरुद्ध सिविल या दांडिक कार्यवाही से बचाव का संरक्षण प्राप्त है। यह संरक्षण अधिनियम की धारा 3(2) में दिया गया है।

संभागायुक्त और कलेक्टर समन्वय बनाएंगे

राजस्व प्रमुख सचिव ने कहा है कि न्यायाधीशों के लिए अतिरिक्त संरक्षण के प्रावधानों का पालन करना संभागायुक्त और कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। इसलिए इसका ध्यान रखा जाए। अधिकारियों के बीच समन्वय के साथ क्षेत्राधिकार का ध्यान रखा जाए। बताया जाता है कि प्रमुख सचिव ने जबलपुर के तहसीलदार के विरुद्ध कार्यवाही के खिलाफ हड़ताल के बाद राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा की चर्चा के बाद जारी किए।

यह था जबलपुर का मामला-

तहसीलदार हरि सिंह धुर्वे द्वारा वारिसाना नामांतरण के मामले में की गई कार्यवाही को एसडीएम ने पहले निरस्त किया था। इसके बाद तहसीलदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई और अरेस्ट करा दिया।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के सामने बैठे छात्र

कार्यक्रम के लिए नहीं मिला भवन तो नाराज छात्रों ने किया प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के सामने बुधवार को कुछ छात्र नेता और विद्यार्थी धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की।उनका का कहना था कि वह शहीद भगत सिंह जयंती पर कार्यक्रम के लिए ज्ञान विज्ञान भवन की अनुमति के लिए बीयू प्रशासन को पत्र सौंपा था, लेकिन अंतिम समय में बीयू प्रबंधन अनुमति नहीं दे रहा है। जिसकी मांग को लेकर छात्र वहां जुटे थे। छात्रों ने अनुमति नहीं मिलने पर आंदोलन की बात कही है। हालांकि बीयू प्रबंधन का कहना है कि कार्यक्रम के लिए पत्र प्राप्त हुआ था, लेकिन पहले से निर्धारित कार्यक्रम के तय होने के कारण ज्ञान विज्ञान भवन उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त करते हुए पत्र भेज दिया था। ज्ञान विज्ञान भवन में पूर्व से ही आईसीएसएसआर के रिसर्च मेथोडोलॉजी की कार्यशाला संचालित की जा रही है जो की 29 सितंबर तक जारी रहेगी। विवि के गेट के सामने किए गए प्रदर्शन में छात्रों के अलावा अन्य व्यक्ति भी शामिल थे, ऐसे में प्रबंधन ने मामले की जानकारी पुलिस को भी दी है।

मप्र राजस्थान के बीच 20 साल पुराना विवाद सुलझा

अब सभी बांधों की डीपीआर बनेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र-राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच पार्बती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के संबंध में त्रिपक्षीय समीक्षा बैठक में बीस साल पुराना मामला सुलझ गया है। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नदी जोड़ो अभियान पर काम चल रहा है। इसी दिशा में मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों के बीच पार्बती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना पर बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। केंद्र शासन के सहयोग से दोनो राज्यों ने बीस वर्ष पुराने जल मामले का हल निकाल लिया है और जल्दी ही इस परियोजना के परिणाम दिखेंगे। अब जल्द ही इस परियोजना का मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) अनुबंध होने वाला है। दोनों राज्यों के हित में मध्य प्रदेश और राजस्थान मिलकर काम कर रहे हैं। योजना के लिये राजस्थान ने अपने सभी डेम और बैराज की डीपीआर तैयार कर ली है। मप्र के डेम्स और बैराज की डीपीआर को 15 से 20 दिन के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। मप्र के प्रोजेक्ट की डीपीआर का ब्यूरो ऑफ डेम सेफ्टी, डिजाइन एंड हाइड्रोलॉजी से परीक्षण कराया जा रहा है। बताया जाता है कि दोनों राज्यों के साथ केंद्र ने प्रोजेक्ट की लागत, सिंचाई के रकबे और समय सीमा निर्धारण को लेकर चर्चा की। परियोजना पर 75 हजार करोड़ की लागत आने का अनुमान है, 35 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट मप्र में और 40 हजार करोड़ के राजस्थान में बनेंगे।

सीएम समेत भाजपा नेताओं ने बूथ पर पहुंचकर दिलाई सदस्यता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर अधिकतम सदस्यता दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सतीश उपाध्याय एवं महामंत्री हितानंद ने बूथों पर पहुंचकर हर वर्ग के लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। प्रदेश के सभी 64871 बूथों पर पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने ब?ी संख्या में लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। मुख्यमंत्री यादव ने नरेला के महामाई मंडल, सेमरा के बूथ क्रमांक 138 व 134 में लोगों को सदस्यता दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गरीब आदमी के घर में सुख का सबेरा लाने का कार्य कर रहे हैं। विष्णुदत्त शर्मा ने गांधी नगर मंडल के वार्ड क्रमांक-2 बूथ क्र. 53 में लोगों को सदस्यता दिलाते हुए कहा कि संगठन पर्व में रिकॉर्ड बनाकर भाजपा कार्यकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि दे रहे हैं। महेन्द्र सिंह ने उत्तर विधानसभा के गुरूनानक मंडल के बूथ क्रमांक-46 पर लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाते हुए कहा कि पं. दीनदयाल जी ने अंत्योदय का विचार दिया है।

बीज प्रमाणीकरण: एमडी को भी बर्खास्त किया जाए- पटवारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मप्र का बीज प्रमाणीकरण विभाग में करोड़ों रूपयों का व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किये जाने का मामला पहले ही सामने आ चुका है। अब विभाग के एक चपरासी द्वारा 10 करोड़ रूपयों की एफडी को तुड़वाकर अपने खाते में ट्रांसफर कराये जाने के मामले में यह बात सामने आयी है कि विभाग का उक्त चपरासी विगत 10 वर्षों से कार्यालय में नौकरी करने ही नहीं जाता, फिर भी उसे पूरा वेतन मिल रहा है, इससे स्पष्ट है कि विभाग के आला अधिकारी इस एफडी कांड में शामिल हैं। पटवारी ने कहा कि विभाग ने इमामी गेट स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में विगत 30 नवम्बर 2023 को 5-5 करोड़ रुपए की दो एफडी बनवाई थी। जब अधिकारी इन एफडी को तुड़वाने के लिए बैंक पहुंचे तो मामला सामने आया कि इन एफडी की राशि को चपरासी द्वारा तोड़कर एचडीएफसी बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी गई है। पटवारी ने कहा कि कहीं इस एफडी कांड में चपरासी के साथ बैंक मैंनेजर या विभाग के आला-अफसर और एमडी की मिलीभगत तो नहीं है? मामला सामने आते ही बैंक प्रबंधन और प्रशासन ने जांच तो शुरू कर दी, लेकिन सच्चाई अभी भी कुछ और ही बयां कर रही है। वहीं पुलिस ने धोखाधड़ी और गबन के मामले की एफआईआर दर्ज कर ली है लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मेट्रो एंकर

बीज संघ का वार्षिक साधारण सम्मेलन आयोजित

सहकारी समितियों की पहुंच पूरे प्रदेश में हो-सारंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारी समितियों की पहुँच पूरे प्रदेश में हो, इसकी व्यापकता की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित हो कि समितियों के माध्यम से किसानों को जागरूक भी किया जायें कि वह किस तरह की फसल उगाये। संवाद के माध्यम से ही किसानों के हित में काम किया जा सकता है, इसके लिये समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सारंग राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित के 19वें वार्षिक साधारण सम्मिलन को संबोधित कर रहे थे। सारंग ने कहा कि सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। बिना किसी ब्याज के ऋण उपलब्ध करवाना, खाद और बीज की आपूर्ति, हर खेत में पानी पहुंचाने तथा खेत में फसल के उचित दाम मिल सके, इसके लिये सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि किसान की खेती को उत्कृष्ट करने के लिये उत्कृष्ट बीज की आवश्यकता है और इसलिये यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि समितियों के माध्यम से उचित और उत्कृष्ट बीज मिल सके। इसके लिये बीज संघ काम कर रहा है।

सारंग ने कहा कि बिना सहकार नहीं उद्धार और बिना संस्कार नहीं सहकार। इसके लिये पूरे संस्कार के साथ अपनी जो भी जिम्मेदारी है उसको निर्ववहन करें। उन्होंने कहा कि सरकार भी उत्कृष्ट एवं उन्नत तकनीक के माध्यम से और अग्रसर करने का प्रयास कर रही है। इसके लिये बहुत जल्द ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित कर रहे है। इसमें नई तकनीक को जोड़कर उत्कृष्टता की और लेकर जायेंगे। कृषि में अनुसंधान और तकनीक का बहुत महत्व है। आज कृषि में उन्नतता के लिये तकनीकों का उपयोग हो रहा है, इसको सोसायटी तक पहुँचाना बीज संघ की जिम्मेदारी है। इसके लिये भी प्रशिक्षण कार्यक्रम बना रहे है। इसके माध्यम से सही गुणवत्ता के बीज का उत्पादन हो सके, इसकी जानकारी मिलेगी। बीज संघ और सोसायटी के माध्यम से किसानों की खेती और उत्कृष्ट हो सके इस पर भी काम कर रहे है और संवाद के माध्यम से हर कठिनाईयों को दूर किया जायेगा। प्रादेशिक संघ ने कहा कि निष्क्रिय संस्था को भी सक्रिय किया जायेगा। बैठक में बीज संघ के आगामी वर्ष की बीज उत्पादन संबंधी कार्ययोजना अंकेक्षण प्रतिवेदन एवं वित्तीय पत्रकों, तथावास्तविक आय-व्यय एवं वर्ष 2025-26 के लिये प्रस्तावित बजट का भी अनुमोदन किया गया। वार्षिक साधारण सभा में प्रदेश के विभिन्न जिलों की प्राथमिक बीज उत्पादक समितियों के प्रतिनिधि, अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, पंजीयक सहकारी संस्थाएँ मनोज कुमार सरियाम, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज गुप्ता, विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी मनोज कुमार सिन्हा उपस्थित थे।

संपादकीय

अश्लीलता पर अंकुश के रास्ते

हाल में देश में सामने आई कुछ घटनाओं के बरक्स यदि हम देखें तो यह मसले अब इतने संवेदनशील हैं कि समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुके हैं। बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार उनमें से एक है तथा दुर्भाग्य से ऐसी कई घटना हाल में लगातार सामने आ रही हैं। दरअसल तकनीकी संसाधनों के विकास के साथ-साथ उनके आपराधिक उपयोग की गलियां भी खुलती जा रही हैं। इन पर अंकुश लगाने की ज्यादातर कोशिशें विफल ही देखी जा रही हैं। इंटरनेट के विस्तार और हर हाथ में डिजिटल उपकरणों की पहुंच होने के बाद अब बड़े पैमाने पर ऐसी अश्लील सामग्री परोसी जाने लगी है, जो बच्चों को लेकर बनाई जाती है। लिहाजा इन पर रोक लगाने जब मद्रास उच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी तब अदालत ने उस याचिका पर कहा था कि 'बाल पोर्नोग्राफी' देखने और उसे डाउनलोड करके रखने को पाक्सो कानून के अंतर्गत अपराध नहीं माना जा सकता। जब उसी आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई तो अब सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को पलटते हुए ऐसी सामग्री को डाउनलोड करके रखना और दूसरों को भेजना पाक्सो कानून के अंतर्गत अपराध माना। बल्कि इस विषय में कई विस्तृत निर्देश दिए हैं। देश की सभी अदालतों से कहा गया कि अब वे 'बाल पोर्नोग्राफी' के बजाय 'बाल यौनशोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' पद का उपयोग करें। साथ ही केंद्र सरकार से कहा है कि वह पाक्सो कानून में संशोधन कर इसे अधिक स्पष्ट और व्यापक बनाए। जब तक कानून नहीं बनता, तब तक इस पर अध्यादेश जारी करे।बाल यौनशोषण और दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के लिए हालांकि कठोर कानून हैं, पर उनमें कुछ जगहों पर स्पष्टता न होने के कारण अश्लील सामग्री तैयार करने के लिए बच्चों का भी उपयोग किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी कमजोरी को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। दरअसल, अश्लील सामग्री का कारोबार दुनिया भर में फैला हुआ है। कुछ देशों ने तो इसे कानूनी मान्यता भी दे रखी है, जैसे जर्मनी, फ्रांस आदि। मगर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह डिजिटल माध्यमों पर अश्लील सामग्री परोसने की प्रवृत्ति और उससे समाजों में हिंसा तथा यौनशोषण की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, उससे दुनिया भर में ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाने की मांग उठने लगी है। हमारे यहां ऐसी सामग्री के निर्माण को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। मगर इंटरनेट की दुनिया इतनी जटिल बन चुकी है कि ऐसी सामग्री की पहुंच रोकना कठिन बना हुआ है। इनमें बच्चों का उपयोग रोकना बड़ी चुनौती है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा है कि यौन शिक्षा को व्यापक रूप से लागू किया जाना चाहिए। इससे ऐसे अपराधों पर काबू पाने में काफी मदद मिल सकती है। दरअसल, बहुत सारे लोग यौन शिक्षा के नाम पर ऐसा सामग्री को उचित ठहराते देखे जाते हैं। मगर अश्लील सामग्री निर्माण के लिए जिस तरह बच्चों की तस्करी बढ़ी है और उनके साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं, उससे उनके मानवाधिकारों को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है।निस्संदेह इस पर अंकुश लगाने के लिए कठोर कानून की जरूरत है। मगर अश्लील सामग्री के निर्माण और उनकी पहुंच पर रोक लगाना फिर भी बड़ी चुनौती बनी रह सकती है क्योंकि तकनीक की रफ्तार इसमे बड़ी बाधा है लेकिन इन सबसे पार पाकर बाल अधिकारों को लेकर व्यापक पहल की जरूरत तो है ही।

निशाना

ठीक नहीं चिल्लाना !

चल रही तलाशी तो ।
है करना सहयोग ।।
क्यों करना ये चिंता ।
क्या कहेंगे लोग ।।
ठीक नहीं चिल्लाना ।
है चुनावी बेला ।।
सबके साथ है यही ।
ना कोई अकेला ।।
अपने अपने काम पर ।
रहे केवल ध्यान ।।
मुफ्त में ही है मिलता ।
वाजिब जो सम्मान ।।
कर देना सार्वजनिक ।
हो रहा अन्याय ।।
आप ही के पास तो ।
है सारा उपाय ।।

-कृष्णेन्द्र राय

ईश्वरीय शक्ति के सम्मुख मानवीय शक्ति बली नहीं है।
- दंडी

आज का इतिहास

- 1087: विलियम द्वितीय इंग्लैड के सम्राट बने।
- 1777: ब्रिटिश सैनिकों का फिलाडेल्फिया पर कब्जा।
- 1872: न्यूयॉर्क सिटी में पहला मंदिर बना।
- 1950: संयुक्त राष्ट्र सैनिकों ने उत्तर कोरिया के सैनिकों से सोल को अपने कब्जे में लिया।
- 1950: इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता ग्रहण की।
- 1959: जापान में शक्तिशाली तूफान वेरा से 4580 लोगों की मौत।16 लाख लोग बेघर।

दक्षिण भारत की जीडीपी में वृद्धि अचानक नहीं हुई, इसमें केंद्र सरकार का बहुत बड़ा हाथ रहा है

■ **मीनाक्षी लेखी**

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के हाल ही में प्रकाशित वर्किंग पेपर में पिछले 65 वर्षों में भारत के राज्यों के आर्थिक प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया है. कई दक्षिणी राज्यों ने देश के जीडीपी में योगदान के मामले में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए. हालांकि, पंजाब और केरल जैसे पारंपरिक रूप से आगे रहने वाले राज्यों को आत्मनिरीक्षण करने और अपने इतिहास को फिर से टटोलने की ज़रूरत है जिससे वह भी 2047 तक विकसित भारत के विजन के लिए और अधिक योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ सकें. यह भारत में नीतिगत फैसलों, बुनियादी ढांचे, संसाधन आवंटन और क्षेत्रीय विकास के बीच मेलजोल बनाए रखने की एक कोशिश है। उत्तर बनाम दक्षिण की आज की नई राजनीति की जड़ें 'फूट डालो और राज करो' की साम्राज्यवादी नीति से निकली हैं. कुछ राजनेता और उनके साथी ऐसी विभाजनकारी राजनीति में लिप्त रहते हैं, जो उनके निजी लाभ के लिए छल-कपट के अलावा और कुछ नहीं है. राजनीति में विश्वसनीयता उतनी ही ज़रूरी है जितनी कि व्यक्तिगत जीवन और समाज में, जबकि अन्य राज्यों को भी आगे बढ़ना चाहिए, दक्षिण अपने प्रदर्शन का उपयोग 'दक्षिणी अपवादवाद' तर्क को आगे बढ़ाने के लिए नहीं कर सकता और उसे राजनीति नहीं करनी चाहिए।इस पर गौर करना ज़रूरी है कि दक्षिणी राज्यों को सफलता अचानक नहीं मिली है. दक्षिण के लिए नई दिल्ली की ओर से रियायतों और नीतिगत समर्थन के इतिहास ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. यह संसद के पिछले सत्रों के दौरान उभरे प्रश्नों और बहसों को देखने में और मदद करेगा, जहां यह स्पष्ट किया गया था कि दक्षिण के नागरिक उतने ही हमारे भाई और बहन हैं जितने उत्तर के हैं. अगर वह बेहतर करते हैं, तो भारत भी आगे बढ़ता है. ये निर्णय राष्ट्रीय हित में लिए गए हैं, किसी क्षेत्रीय हित से नहीं, भले ही कुछ लोग इसे संकीर्णता मानते हों।

यह सभी को मालूम है कि भारत की आज़ादी से लेकर आज तक केंद्र सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत फैसलों ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश (जिसमें अब तेलंगाना भी शामिल है) और केरल की सफलता में योगदान दिया है।इन राज्यों को 1948 की फ्रेट इक्विलाइजेशन स्कीम (स्नश्वस्) और कोयला सब्सिडी योजना के माध्यम से प्रोत्साहन दिया गया था, जिसके तहत बिहार और ओडिशा जैसे पूर्वी राज्यों से कोयले और लोहे जैसे माल की ढुलाई के लिए भी सब्सिडी दी गई थी. इसका उद्देश्य दक्षिणी और पश्चिमी भारत में एक-समान औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना था. हालांकि, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी द्वारा 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि केंद्र सरकार के स्नश्वस्के कारण बिहार जैसे संसाधन

संपन्न राज्यों का पतन हुआ, जिसकी वर्तमान में जीडीपी में केवल 4.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि जनसंख्या का घनत्व सबसे अधिक है। इसके अलावा, केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के जरिए स्वतंत्रता के बाद दक्षिणी राज्यों केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा मिला है. यहां निरंतर आर्थिक विकास हुआ, जिससे प्रौद्योगिकी, दवाओं और ऑटोमोटिव उद्योगों के लिए स्किल्ड वर्कफोर्स आसानी से मिल पाया. इस तरह उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में निवेश आकर्षित करने में मानव पूंजी विकास एक प्रमुख कारक रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र के सक्रिय समर्थन से कई इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (आईटीआई) खोले गए, जो बिजली और प्लंबिंग जैसे क्षेत्रों में युवाओं को ट्रेनिंग देते हैं. भारत सरकार ने सितंबर 2022 की नई आईटी नीति के जरिए मानव पूंजी संसाधनों का लाभ उठाने के लिए और 1.94 बिलियन फंड दिया, जिससे आंध्र, तेलंगाना और तमिलनाडु के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला – ये वो राज्य हैं जो 2023-24 में भारत के जीडीपी का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा हैं। एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सिस्टम का लागू होना उल्लेखनीय उपाय है. उत्तरी राज्यों में उनके दक्षिणी समकक्षों की तुलना में अधिक जीएसटी कलेक्शन है. यह दर्शाता है कि दक्षिणी राज्य उत्तरी राज्यों को अधिक उत्पाद और सेवाएं दे (बेच) (विक्रय) रहे हैं – जिसमें ऑटोमोबाइल, आईटी, स्वास्थ्य सेवाएं आदि शामिल हैं।सड़कों और बंदरगाहों के विकसित नेटवर्क तक पहुंच सहित बेहतर भौतिक बुनियादी ढांचा भी उद्योगों के लिए निवेश आकर्षित करने का एक कारक रहा है. बिजली आपूर्ति, जो पहले अनियमित थी, अब केंद्र सरकार और उसकी नीतियों के प्रयासों से स्थिर हो गई है – खासकर बीते दस साल में. केंद्र सरकार ने दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों को उद्योगों और निवेशों के लिए और भी अधिक आकर्षक बना दिया है. उदाहरण के लिए आंध्र प्रदेश में राज्य सरकार ने त्वरित विद्युत विकास कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रिक प्लांट्स की बहाली और आधुनिकीकरण के लिए भारत सरकार से फंड हासिल किया। बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने से माल और लोगों की आवाजाही आसान हुई है, लेन-देन की लागत घटी है और आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिला है. पूरे देश में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा 2019 में शुरू की गई राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) कच्चे माल की बेहतर पहुंच प्रदान करके कम विकसित राज्यों को आगे बढ़ने में मदद कर रही है। गुजरात के सराहनीय विकास को देखना भी उत्साहजनक है. यह राज्य 1960 के दशक में ही अस्तित्व में आया था, लेकिन इसने काफी तेज़ी से प्रगति की है. गुजरात प्रति व्यक्ति आय में महाराष्ट्र से भी आगे निकल गया, 2023-24 में इसने राष्ट्रीय औसत का 160.7 प्रतिशत हासिल किया है. गुजरात की सफलता की कहानी का श्रेय पिछले 30 वर्षों में उसके नेताओं की प्रगतिशील दृष्टि को दिया जा सकता है। पश्चिम बंगाल की निरंतर गिरावट, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों, समुद्र से निकटता और पर्याप्त शिक्षित मैनपावर के बावजूद, लगातार सरकारों की कल्याण के प्रति राजनीतिक उदासीनता का चौंकाने वाला प्रमाण है. कभी भारत के जीडीपी में अग्रणी योगदानकर्ता – 1960-61 में 10.5 प्रतिशत – राज्य का हिस्सा घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है। पश्चिम बंगाल के नीति निर्माताओं की अदूरदर्शी दृष्टि और गैर-ज़रूरी प्राथमिकताएं इस कभी शक्तिशाली राज्य के पतन के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं. सभी हितधारकों के लिए आत्मनिरीक्षण करने और ओडिशा जैसे राज्यों से सीखने का वक्त है, जो पारंपरिक रूप से पिछड़े होने के बावजूद प्रति व्यक्ति आय में बंगाल से आगे निकल गए हैं।

इसी तरह मध्य प्रदेश जैसे सुशासित राज्य कई अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल पेश करते हैं कि कैसे एक बीमारू राज्य को मध्यम आय, विकास-उन्मुख राज्य बनाया जा सकता है.कुछ उत्तरी राज्यों की सरकारों ने मुफ्त बिजली और पानी जैसी राजनीति करके अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल किया, जबकि ये मुफ्त वितरण न्यायपूर्ण और समतापूर्ण समाज को बढ़ावा देने के बैनर तले किए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है. दोषपूर्ण कार्यान्वयन से विकसित भारत के लिए कोई रोडमैप नहीं मिलता, जिसमें उद्यमिता, विकास या स्टार्टअप कल्चर के लिए स्थान नहीं है. पंजाब हरित क्रांति का लाभ उठाने में असमर्थ रहा है और पारंपरिक रूप से पिछड़े हरियाणा ने उसे पीछे छोड़ दिया, जबकि हरियाणा की सापेक्ष प्रति व्यक्ति आय 176.89 प्रतिशत तक बढ़ गई है, पंजाब की घटकर 106 प्रतिशत रह गई है.केरल एक और राज्य है जिसे यह तय करने की ज़रूरत है कि वह अपनी सरकार की नीतियों को अपनी उच्च साक्षरता दर के लाभों को कम करने की अनुमति न दे.उत्तर-दक्षिण विभाजन पैदा करने के बजाय, विकास और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों को अपने संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करना चाहिए। 2014 में योजना आयोग की जगह लेने वाले नीति आयोग का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकास के चरम तक पहुंचाना है. दोनों पक्षों को इससे सबक लेना होगा. नीति निर्माताओं को पूरे देश के संतुलित विकास के लिए अधिक समग्र नीतियों की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्य – जो कम साक्षरता दर, अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा और खराब बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों के कारण पिछड़ गए हैं – ने उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने और विकास को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता को बाधित किया है. उन्हें अपनी कमर कसनी चाहिए और संसाधन प्रबंधन और आर्थिक विकास के बीच प्रभावी ढंग से संतुलन बनाना चाहिए.इस पर एक गृहिणी की डायरी से सबक लिया जा सकता है, जो सीमित बजट के बावजूद, परिवार के खर्च, भोजन, मनोरंजन और उपहारों का प्रबंधन करती हैं, साथ ही साथ मुश्किल दिनों के लिए बचत भी करती हैं. आर्थिक गौरव वापस पाने के लिए हम सभी को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हम कौन हैं. आइए 2047 तक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने के लिए वंचित वर्गों और क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें, जिसका मंत्र है: 'कोई पीछे न रह जाए।'

(लेखिका भाजपा नेता, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता हैं- साभार)

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के अति उत्साह के मायने क्या?

■ **दिलीप कुमार पाठक**

हरियाणा में सभी 90 सीटों पर एक चरण में 5 अक्टूबर को मतदान होना है, जिसके नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे. 2019 के चुनाव के बाद बीजेपी और जेजेपी के गठबंधन ने सरकार बनाई थी. हरियाणा में पिछले एक दशक से बीजेपी की सरकार है, हालांकि इस बार बीजेपी के सामने इनकंबेंसी की भी बड़ी चुनौती है. वैसे भी अगर किसी दल की सरकार लगातार दो या उससे अधिक बार सत्ता में रहती है, तो वोटरों का रुझान उसकी तरफ थोड़ी कम होना स्वाभाविक है. वहीं भाजपा लोकसभा चुनाव के बाद थोड़ा बैकफुट पर दिखाई दे रही है.

बीजेपी और कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में हरियाणा की पांच-पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी. लेकिन, बीजेपी ने 44 तो इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने 42 और आम आदमी ने चार सीटों पर बढ़त बनाई थी. बीजेपी की बढ़त वाली 17 विधानसभा सीटों, कांग्रेस की बढ़त वाली 13 सीटों और आम आदमी पार्टी की बढ़त वाली तीन सीटों पर हार-जीत का अंतर 10 प्रतिशत से कम रहा था. अब विधानसभा चुनावों में इन सीटों पर कांटे की टक्कर होना तय माना जा रहा है. लेकिन इन सीटों पर मतदाता का झुकाव जिस पार्टी की तरफ होगा, उसकी पूरी जीत की संभावना रहेगी. 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 6 सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की थी. इसके बाद 2019 के विधानसभा चुनावों में इन 6 सीटों के अंतर्गत आने वाली 54 विधानसभा सीटों पर बीजेपी जीती थी. अब बात करें 2024 के लोकसभा चुनाव की तो बीजेपी सिर्फ करनाल सीट पर ही अपना प्रदर्शन दोहरा पाई है, जबकि भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट पर बीजेपी ने 6 और कांग्रेस ने तीन हलकों में लीड ली. कुछ

ऐसा ही गुरुग्राम और फरीदाबाद सीट पर दिखाई दिया, यहां बीजेपी 6 और कांग्रेस ने 3 विधानसभा हलकों में लीड ली. इसके अलावा अंबाला सीट पर बीजेपी 4 और कांग्रेस 5, कुरुक्षेत्र में बीजेपी 5, इंडिया गठबंधन 4, सोनीपत में बीजेपी 5 और कांग्रेस 4, हिसार में बीजेपी 3 और कांग्रेस ने 6 विधानसभा हलको में लीड ली. 2019 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़े पर नजर डालें तो हार-जीत के अंतर में कमी आई है. लोकसभा चुनाव के नतीजों को अगर विधानसभाअनुसार देखें तो 30 सीटों पर हार जीत का अंतर सिर्फ 13.3 प्रतिशत वोटों का रहा, जो पिछले लोकसभा चुनाव में घटकर 3.8 प्रतिशत रह गया. 2019 के विधानसभा चुनाव में हार-जीत का अतंर 5 हजार से भी कम वोटों का रहा था.

2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भाजपा की बेचैनी बढ़ गई है. नायाब सिंह सैनी को सीएम बनाए जाने के बाद अनिल विज भी असंतुष्ट हैं, हालांकि अनिल विज इससे पहले भी कई बार खुद सीएम बनने की महत्वाकांक्षी सोच जाहिर कर चुके है. भारतीय जनता पार्टी ने अंबाला कैंट विधानसभा सीट से 71 वर्षीय अनिल विज को उम्मीदवार बनाया है. वो इस सीट से छह बार से विधायक रह चुके हैं. हालांकि, इस बार विधायक बनने की राह उनके लिए पहले जैसी आसान नहीं होगी. दरअसल, कांग्रेस ने कुमारी शैलजा के करीबी पूर्व पार्षद परविंदर सिंह परी को टिकट दिया है. %आप% ने राज कौर गिल को टिकट देकर आधी आबादी को साधने की कोशिश की है. वहीं, इनेलो-बसपा गठबंधन से ओंकार सिंह, जजपा-असपा गठबंधन से करधान मैदान में हैं. पूर्व कांग्रेस नेता चित्रा सरवारा ने इस विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार को रूप में ताल ठोका है. वह पि?छली बार दूसरे स?थान पर थीं. अभी कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों का असर हरियाणा विधानसभा चुनावों में भी देखने को मिलेगा. लोकसभा चुनाव में जिन 33 सीटों पर हार-जीत का अंतर काफी कम रहा था, वो सीटें ही अब विधानसभा चुनाव में निर्णायक साबित होने वाली हैं.

2014 - 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की एकतरफ़ा हार हुई थी, हालांकि इस बार लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे हैं. कांग्रेस की अपनी अंदरुनी चुनौतियां हैं, जिनसे निपटना आसान नहीं होगा. वैसे भी कांग्रेस पिछले कुछ सालों से कई राज्यों के चुनाव अंदरुनी गुटबाजी के कारण हार गई है. ऐसे ही हरियाणा में कहीं भूपेंद्र हुड्डा का ग्रुप है तो कहीं कुमारी शैलजा का ग्रुप है, तो कहीं रणदीप सिंह सुरजेवाला का ग्रुप दिखाई देता है. किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए अंदरूनी गुटबाजी चुनाव के दौरान शुभ नहीं होती. वैसे भी एमपी कांग्रेस की गुटबाजी, संगठन का घमंड जनता भूली नहीं है. कांग्रेस की खामी यही है कि हमेशा चुनाव के एन वक़्त पर कांग्रेस नेताओ की महत्वाकांक्षा आड़े आने लगती है. यही पक्ष कांग्रेस का सबसे कमजोर है.

हरियाणा में कांग्रेस इतनी ज़्यादा अति उत्साहित है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने चार डिप्टी सीएम बनाने का दावा ठोंक दिया है. हरियाणा में बिना सीएम उम्मीदवार का ऐलान किए लड़ रही कांग्रेस में कई नेता डिप्टी सीएम बनने का दावा ठोंक रहे हैं. भूपेंद्र हुड्डा का कहना है कि चार अलग - अलग जाति के उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे. तो कई विधायक नौकरी देने का एलान कर रहे हैं. एक विधायक तो कह रहे हैं कि मैं बाहरी हूं मैं मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता, लेकिन उपमुख्यमंत्री बनकर संतुष्ट हो जाऊँगा, मुख्यंत्री तो हुड्डा साहब ही ठीक हैं, ऐसे लगता है जैसे कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव जीत लिया है, हालांकि कांग्रेस आलाकमान का अभी कोई निर्णय नहीं आया है कि सीएम और डिप्टी सीएम कौन होगा !

हालांकि हरियाणा में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ घटित हुआ है. दुष्यंत चौटाला ने भाजपा से समर्थन वापस ले लिया था, नए नायाब सैनी को सीएम बनाना.. अनिल विज का असंतुष्ट होना. विनेश फोगाट का कांग्रेस जॉइन करना...बीजेपी का लोकसभा चुनाव में अपने दम पर सरकार न बना पाना.. आदि आदि.. कांग्रेस के लिए खुशखबरी लेकर आया है. जो सत्ताधारी भाजपा के लिहाज से सही नहीं कहा जा सकता. एक तो कांग्रेस को एक दशक बाद हरियाणा में चुनाव जीतने की खुशबू आ रही है, जिससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में अति उत्साह भी देखा जा सकता है. इसी अति उत्साह के साथ ही राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी दिख रहे हैं, जो अभी तक हरियाणा चुनाव में उतने सक्रिय नहीं हैं जितना सक्रिय होना चाहिए था. राहुल - प्रियंका की गैर मौजूदगी भी कांग्रेस के लिए घाटे का सबब बन सकती है. और यह भी सही है कि चुनाव भी अंतिम दिन तक अपनी सूरत बदलता रहता है. किसी भी पार्टी के लिए अति उत्साह नुकसानदेह हो सकता है. कांग्रेस का अति उत्साह तो दिखता ही है, साथ ही भाजपा थोड़ा बैकफुट पर दिख रही है, लेकिन भाजपा की कार्यशैली अंतिम दौर तक लड़ने की मानी जाती है, भाजपा अंतिम दौर तक लड़ती है. भाजपा जब तक हारे न तब तक हारती नहीं है, लेकिन कांग्रेस कई बार असंतुलित हो जाती है. हरियाणा चुनाव लोकसभा चुनाव में बहुमत खो देने के बाद पीएम मोदी के लिए वर्चस्व कायम रखने का मौका है. मोदी हरियाणा चुनाव में उतर चुके हैं. हरियाणा में मोदी अपनी जमीन बचा पाएंगे या.. कांग्रेस के सामने अपनी वर्चस्व की ज़ंग हार जाएंगे, यह देखने वाली बात होगी.

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पेंशन अधिकारी संवेदनशील रहें, सभी अधिकारी सेवा काल में ही अपना डाटा दुरुस्त करवाएं

गरीबों के राशन की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए: संभागायुक्त

- महिलाओं को हैवी व्हीकल चलाने का प्रशिक्षण देकर रोजगार उन्मुख योजनाओं से जोड़ा जाए
- ओवरलोड बसों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए
- नापतोल विभाग इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटे, पैकेजिंग की नियमित जांच करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पेंशन अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ पेंशन प्रकरणों का निराकरण करें। यदि किसी कर्मचारी के पेंशन का प्रकरण किसी कारण वश रुका हुआ है तो उन कारणों का निराकरण करते हुए तो ऐसे प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कर संबंधित कर्मचारियों को पेंशन दिलाना सुनिश्चित करें। जितने भी अधिकारी एवं कर्मचारी हैं वह अपने सेवा काल में रहते हुए ही अपना डाटा सुधारवा ले। उक्त निर्देश संभाग आयुक्त के जी तिवारी ने बुधवार को आयोजित विभिन्न विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए।

संभागायुक्त ने खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की गरीबों के राशन की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए। संभाग आयुक्त ने युवा अन्न दूत योजना की समीक्षा की, बताया गया कि नर्मदापुरम में 13 एवं बैतूल में 12 सेक्टर में उक्त योजना के तहत कार्य किया जा रहा है। यहां पर विशेष वाहन के द्वारा उन गांव में राशन पहुंचाया जा रहा है जहां पर पीडीएस की दुकान नहीं है। गांव गांव में राशन पहुंचाया जा रहा है और यह कार्य सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

संभागायुक्त ने परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए की तीनों जिले अपना राजस्व बढ़ाएं, उन्होंने तीनों जिलों के जिला परिवहन अधिकारी को ओवरलोडिंग बसों एवं ओवरलोडिंग स्कूल वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए. संभाग आयुक्त ने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग की स्वरोजगार योजनाओं के तहत हैवी व्हीकल चलाने में दक्ष महिलाओं को लाभ दिलाते हुए उन्हें रोजगार से भी जोड़ा जाए। नापतोल विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि नापतोल विभाग इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटे, पैकेजिंग की नियमित जांच करें, हर हफ्ते कार्रवाई करें और की गई कार्रवाई का व्यापक प्रचार प्रसार भी करें।

आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि नर्मदापुरम में 62 बैतूल में 64 और हरदा में 18 शराब दुकान संचालित हैं। नर्मदापुरम में नर्मदा नदी से ढाई किलोमीटर दूर मदिरा दुकाने स्थित हैं. शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य की पूर्ति प्राथमिकता से की जा रही है। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए की शासन द्वारा दिए गए राजस्व लक्ष्य के अनुसार आबकारी विभाग कार्य करें और जहां कहीं भी मदिरा का अवैध उत्पादन एवं परिवहन हो रहा है वहां पर नियम अनुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की 34 एक एवं 34 दो में जो भी प्रकरण बनते हैं उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य रूप से की जाए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि समय-समय पर शराब और मंदिरा दुकानों के लाइसेंस की नियमित रूप से जांच भी की जाए।

संभाग आयुक्त ने खनिज विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई की जाए और पंचनामा बनाते हुए सभी तथ्यों का उल्लेख करते हुए अनिवार्य रूप से संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर कराए।

संभागायुक्त ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की सभी जिला शिक्षा अधिकारी प्रति माह पीएम श्री एवं सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण, उन्होंने निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, निशुल्क साइकिल वितरण, आईसीटी लैब के संचालन से संबंधित आवश्यक जानकारी ली। संभागायुक्त ने निर्देश दिए की शिक्षा विभाग स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार लाएं। उन्होंने कहा कि उनके भ्रमण के दौरान यह बात संज्ञान में आई है कि बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता कमतर है, उन्होंने सभी स्कूलों में शिक्षकों की समय पर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.

'देश में चार्टर्ड एकाउंटेंट की मांग हर क्षेत्र में है'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा कॉलेज तथा इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में वाणिज्य विषय के विद्यार्थियों हेतु करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि रितु शर्मा ने जानकारी दी कि 12वीं और स्नातक के बाद छात्र कैसे चार्टर्ड एकाउंटेंट का कोर्स कर सकते हैं। उन्हें तीन चरणों की परीक्षा देनी होती है।वर्तमान में देश में चार्टर्ड अकाउंटेंट की मांग हर क्षेत्र में है चाहे नौकरी हो या स्वयं व्यवसाय । इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सी ए एक फायनेंसियल एडवाइजर हैं जो लोगों को टैक्स , बिजनेस, एकाउंट और फाइनेंस से जुड़ी सलाह देते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि ई कामर्स के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं क्योंकि वर्तमान में इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ एस सी हर्ने ने कहा कि इस पढ़ाई के बाद युवाओं के पास रोजगार के अवसर बढ़ जाते हैं। चाहे कंपनी हो या स्वयं का व्यवसाय, वित्तीय सलाहकार, फायनेंसियल आडिट करना और क्लाइंट से संपर्क करके एनालिसिस लेना आदि कार्य संपन्न करते हैं।डॉ मीना कीर ने संवाद करते हुए कहा कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था को सुधारना एवं सुचारु ढंग से लागू करना है, तो इसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट का महत्वपूर्ण योगदान होता है। युवा इस क्षेत्र में मेहनत करके अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।इस अवसर पर डॉ प्रीति आनंद उदयपुरे डॉ केशव मिश्रा, डॉ दिनेश श्रीवास्तव, डॉ रोशनी थापक, डॉ मालती पटेल, डॉ नीता वर्मा, श्रीमती रीना सक्सेना,डॉ एस के झा एवं श्री उमेश सेन के साथ-साथ अत्यधिक संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

कसेरा समाज द्वारा संगीत मय श्रीमद् भागवत आज से 2 अक्टूबर तक

नर्मदापुरम। पितृपक्ष के पावन अवसर पर कसेरा समाज नर्मदापुरम व्दारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।कथा 26 सितंबर से 2अक्टूबर तक श्री बजरंग व श्री शंकर मंदिर ट्रस्ट कसेरा समाज मोरछली चौक नर्मदापुरम मे होगी। कथा पं.श्री मानस जी महाराज हरसूद वाले करेंगे।

केसला पोल्ट्री समिति का 23 वा वार्षिक सम्मेलन संपन्न

हजारों की संख्या में आदिवासी महिला एवं उनके परिवारजन हुए शामिल

इटारसी, दोपहर मेट्रो

आदिवासी विकासखंड केसला के ग्राम सुखतवा के प्रदान परिसर में केसला पोल्ट्री समिति का 23 वा वार्षिक अधिवेशन बुधवार को संपन्न हुआ। केसला पोल्ट्री के पदाधिकारी एवं अधिकारी अध्यक्ष श्रीमती कुंती धुर्वे डॉ पवन हजारीका मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं डॉक्टर ध्रुवा ज्योति ओझा विशेष रूप से मौजूद थे इनके अलावा डॉक्टर सुरप्रीत सिंह ढिल्लन , डॉक्टर बुलबुल गफूर एवं राहुल चौरे भोपाल मौजूद थे। समिति के प्रबंध निदेशक डॉक्टर हरे कृष्ण डेका इस बार कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके परंतु उनका शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में हजारों की संख्या में आई महिलाओं ने एक दूसरे को तिलक लगाकर बधाई दी समारोह को संबोधित करते हुए प्रबन्धकडॉक्टर ध्रुवा ज्योति ओझा ने कहां की भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण की योजना का वास्तविक रूप और आदिवासी महिलाओं को होने वाला लाभ अगर देखना है तब नर्मदा पुरम जिले के आदिवासी विकासखंड केसला में आकर देखना चाहिए । केसला पोल्ट्री समिति के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी डॉक्टर पवन हजारिका ने कहा कि वर्ष 2023 24 में लगभग 19 लाख 87 हजार 253 चूजों का पालन किया गया एवम 19.50 लाख, मुर्गा मुर्गी का विक्रय किया गया। जिसमें लगभग 37 करोड़ 62 लाख 93 हजार 890 रुपए का व्यापार किया गया। महिलाओं को 2 करोड़ 80 लाख 86 हजार 701 रुपये का भुगतान किया गया। श्रेष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं को संस्था के द्वारा सम्मानित किया गया इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद पगारे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 23 वर्ष पहले हमने आदिवासी महिलाओं एवं पुरुषों का शोषण होते हुए देखा है

केसला पोल्ट्री के कारण महिलाओं की आर्थिक स्थिति अच्छी हुई है एवं स्वाद लंबी जीवन जी रहे हैं किसी महाजन का उन पर कर्ज नहीं है और बच्चे उच्च शिक्षा में जा रहे हैं। पगारे ने केसला पोल्ट्री समिति के महिलाओं को बधाई दी। केसला पोल्ट्री समिति के अध्यक्ष श्रीमती कुंती धुर्वे ने पिछले वर्ष का आय व्यय प्रस्तुत किया एवं आगामी वर्ष के संबंध में कार्य योजना बताई। इस अवसर पर विभिन्न गांव से आई हुई महिलाओं और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की है। रोगी कल्याण समिति इटारसी के सदस्य भरत वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

फरार आरोपियों पर नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा फरार आरोपियों के एक प्रकरण में सूचना देने वालो को एक-एक हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना सिरोंज में दर्ज अपराध क्रमांक 255/2024 का फरार आरोपी अजरूद्दीन उर्फ फुद्दी पुत्र वाहिद खॉन, जावेद काला पुत्र वाहिद खान, शानू उर्फ जुबेर खान पुत्र असलम खान निवासीगण भौरासा थाना बैरसिया जिला भोपाल की सूचना देने वाले को एक-एक हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

एचआईवी एड्स सघन जागरूकता की ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बुधवार को संपूर्ण सुरक्षा केंद्र जिला नर्मदापुरम द्वारा जिला क्षय केंद्र में एचआईवी एड्स सघन जागरूकता अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय सैनिटाइजेशन कार्यशाला एडवोकेसी मीटिंग आयोजित हुई। जिसमें डॉ प्रियंका दुबे जिला नोडल अधिकारी द्वारा 12 अगस्त से चलाए जा रहे।

एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान की समीक्षा की गई एवं 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में नागरिकों को इस बीमारी और वायरस से बचाव हेतु उपाय के बारे मे बताया गया। ब्लॉक स्तर पर स्कूलों में स्वच्छता

पखवाड़ा के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्रों में रेली एवं प्रचार प्रसार के माध्यम से समुदाय तक इस अभियान के उद्देश्य पहुंचाना है। संपूर्ण सुरक्षा केंद्र मैनेजर रक्षा शुक्ला द्वारा संपूर्ण सुरक्षा केंद्र के उद्देश्य और संपूर्ण सुरक्षा केंद्र की सेवाओं के बारे में बताया गया। एचआईवी सिफीलिस टेस्ट एसएसके स्टाफ द्वारा एचआईवी एड्स की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में दिशा सुपरवाइजर हेमंत पटेल, प्रत्येक ब्लॉक से एसटीएलएस, टीबी सुपरवाइजर, काउंसलर, जिला क्षय केंद्र स्टॉफ, एनजीओ एवं सुनील साहू मीडिया विभाग सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। 1097 के बारे में जानकारी दी गई और आईईसी वितरित की गई।

सब्जी मंडी की दुकानों पर प्राधिकार समिति का निर्णय लागू

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद इटारसी का सामान्य सम्मेलन आज हुआ। शहर के विकास के लिए परिषद ने एकजुट होकर 24 में से 21 प्रस्तावों को बहुमत से सहमती जताई। एक प्रस्ताव निरस्त और दो प्रस्ताव होल्ड किए गए हैं। सम्मेलन में नगरपालिका की आय बढाने वाले प्रस्ताव से लेकर दो ऐसे प्रस्तावों पर सहमति बनी, जिससे परिषद की छवि में निखार आएगा। परिषद सम्मेलन के शुरुआत में ही नगरपालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि कोर्ट से संबंधित सभी मुददों पर मेरी

आपत्ति है। इसके अलावा इसमें सिटी थाने के पास मौजूद बीओटी कॉम्प्लेक्स के विवाद का कोर्ट के आदेश के बाद 58 लाख रुपये बीओटी कॉम्प्लेक्स का शुरुआती स्ट्रेक्चर बनाने वाले मेसर्स शांति कॉलोनाइजर एवं डेव्लपर को देने पर सहमति बनी है। यदि शांति कॉलोनाइजर 58 लाख रुपये राशि लेने के लिए मान जाता है तो यहां भविष्य में नगरपालिका परिषद कोई अच्छी परियोजना प्रस्तावित कर सकता है। इसके अलावा सब्जी मंडी में कुटरचित दस्तावेजों के आधार पर लगभग 24 से अधिक दुकानों के आवंटन निरस्त करते हुए संबंधित लोगों पर कानूनी कार्यवाही की सहमति बनी है साथ ही इसमें यह तय हुआ कि दुकानों के गलत आवंटन की शिकायत पर बनी प्राधिकार समिति के निर्णय को लागू किया जाएगा।

मेट्रो एंकर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत हुए अनेक कार्यक्रम

रैली निकाल कर स्वच्छता का लिया संकल्प

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत रैली निकाली और संकल्प दिलाया गया कि हम हमारे आसपास और कार्यालय कार्यस्थल पर स्वच्छ परिसर रखेंगे जिससे और हम संकल्प लेते हैं कि हमारे आसपास के सभी क्षेत्रों में जहां गंदगी है वहां सफाई अभियान के तहत हम साफ सुथरा परिसर रखेंगे हम संकल्प लेते हैं कि स्वच्छ भारत साफ सुथरा भारत इसके पखवाड़ा के तहत रैली निकाली गई और कार्यालय परिसर संस्था परिसर में साफ सफाई अभियान चलाया गया इस अवसर पर संस्था के समस्त छात्र-छात्राएं सहित प्राचार्य डॉक्टर पीसी पीसी नरवरे सहित विभाग अध्यक्ष चंद्राकर देवेश तिवारी और संस्था के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे यह अभियान स्वच्छता पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगाचलाया जाएगा

नगर परिषद बनखेड़ी द्वारा सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता की थीम पर आधारित 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक शासन के निर्देशानुसार नर्मदापुरम जिले के कार्यालय नगर परिषद बनखेड़ी द्वारा बुधवार 25 सितंबर को नगर परिषद बनखेडी के कार्यालय परिसर में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनखेड़ी के डॉक्टर कमल सिंह वर्मा और उनकी टीम द्वारा बनखेड़ी नगर परिषद के समस्त सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं सभी कर्मचारियों को सफाई और स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु कैसे सतर्क रहें उसकी समझाइए दी गई। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष हरीश मालानी एवं संतोष रघुवंशी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष रघुवंशी, उपयंत्री चंद्रकेश गढ़पाल, सहायक राजस्व निरीक्षक आसाराम मेहरा, गुलाब साहू, स्वच्छता प्रभारी मनोज परते, इरशाद खान, सहित नगर परिषद एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पहले चली धूल भरी आंधी फिर थोड़ी देर के लिए हुई बारिश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को एकदम हुए मौसम में बदलाव के बाद दोपहर के बाद आसमान पर काली घटाओं में डेरा जमा लिया देखते ही देखते धूल वाली आंधी का दौर प्रारंभ हो गया जिसके चलते दो पहिया वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों को भी परेशानी हुई बैनर पोस्टर भी ताश के पत्तों की तरह उड़ते हुए हुए नजर आए धूल के कारण व्यापारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा कुछ देर के बाद हल्की बारिश का दौर प्रारंभ होने से धूल के कहर से मुक्ति मिली बारिश होने से जहां नगर वासियों को काफी हद तक गर्मी से राहत मिल गई । दूसरी ओर इस समय बरसात होने से किसानों की जरूर चिंताएं बढ़ गई है क्योंकि फसल की कटाई की जा रही है । बारिश होने से किसानों की फसल भी गीली हो गई,इस समय किसानों को पानी की नहीं मौसम खुला रहने की जरूरत है। वहीं जब भी फसले आती है तब मौसम इसी तरह किसानों को विपरीत खड़ा हो जाता है।

जमीयत उलेमा ए हिंद ने किया जलसा एसीरतुन्नबी का आयोजन किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के पुराना बस स्टेंड पर हर साल की तरह इस साल भी जमीयत उलमा ए हिंद की तरफ से जलसा ए सीरतुन नबी का आयोजन किया गया । जानकारी देते हुए जमीयत के ब्लॉक उपाध्यक्ष डॉक्टर फेज अहमद ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से लगातार कार्यक्रम को लेकर मेहनत की जा रही थी जिसकी बदौलत आयोजन पूरी तरह से सफल हुआ । जलसे का संचालन जमीयत उलमा ए हिंद के जिला अध्यक्ष मुफ्ती अली अहमद ने किया और बाकायदा मुफ्ती हफीज अहमद ने कुरान की तिलावत कर कार्यक्रम का आगाज किया । प्रोग्राम हजरत मौलाना गाजी वली अहमद नायब सदर जमीयत उलमा ए हिंद मध्य प्रदेश की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। वहीं मेहमाने खुसूसी के तौर पर हजरत मौलाना अली कदर नायब शहर काजी भोपाल रहे । जिनके द्वारा आखरी पैगंबर मोहम्मद साहब के जीवन प्रकाश डाला गया। और सभी से मोहम्मद साहब के तरीकों पर चलने की बात कही । मौलाना ने अपने बयान में कहा कि अगर तुम्हारे होते हुए अगर तुम्हारा पड़ोसी

भूखा है तो तुम अच्छे इंसान या अच्छे मुसलमान नहीं हो सकते चाहे तुम्हारा पड़ोसी किसी भी मजहब का हो उसके साथ अच्छा व्यवहार और उसका ख्याल रखना तुम्हारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का समापन मदरसा रियाजुल इस्लाम बड़ी फाटक के मोहतमिम गाजी वली अहमद साहब ने एक हो जाओ नेक हो जाओ की नसीहत करते हुए दुआ करा कर किया । इस दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

भारतीय राजनीति में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार हमेशा प्रासंगिक रहेंगे: विधायक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनसंघ के संस्थापक एवं भाजपा के प्रेरणापुंज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन पर्व के रूप में मनाते हुए व्यापक सदस्यता अभियान आयोजित कर मनाई। इस अवसर पर विधानसभा के चितावर,देवपुर एवं नगर मंडल के प्रत्येक बूथ केंद्र पर कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने अपने बूथ केंद्रो पर आमजन को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा बूथ केंद्रो पर सदस्यता के लिए लगाए गए पंडालों में भी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करने पहुंचे।

उद्यान में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित किए श्रद्धासुमन – पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा,भाजपा के मंडल पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओं के साथ लटेरी रोड स्थित दीनदयाल मानस उद्यान में एकत्रित हुए। यहां सर्वप्रथम मंडल अध्यक्ष पारस तारण एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने पंडित जी के प्रेरक विचारो से कार्यकर्ताओ अवगत कराते हुए उनके पदचिन्हों का अनुसरण करने तथा उनके बताए एकात्म मानववाद के मंत्र पर संगठन का काम करते हुए अंत्योदय के कल्याण की सेवा करने की बात कही। इसके बाद उधान से ही कार्यकर्ताओं के साथ मंशापूर्ण मंदिर तक सामूहिक रूप से रैली भी निकाली और यहां स्थित नागरिकों के पास पहुंचकर सदस्यता अभियान किया।

बूथ केंद्रो पर आयोजित हुए कार्यक्रम – एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर मतदान केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जी चित्र पर माल्यापर्ण की इसके बाद इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने मतदान केन्द्र क्रमांक 228 में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। यहां कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय सिर्फ एक राजनेता नही थे, वे उच्च कोटि के चितंक, विचारक और लेखक भी थे । ''एकात्म मानववाद के प्रणेता रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने युगीन संदर्भों में भारतीय सनातन संस्कृति को आधुनिक दृष्टि दी है उनका लेखन चितंन और विचार सदैव हम सभी कार्यकर्ताओ को प्रेरित करते है आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा युवाओ का सक्रिय राजनीति से जोडने का आव्हान किया गया है हम सभी युवा पीढ़ी को भाजपा संगठन से जोड़ने की बात कही। इस दौरान उन्होने बीकॉम में पड़ने वाली छात्रा हार्षिता दीक्षित को भी भाजपा का सदस्य बनाते हुए संगठन को लेकर चर्चा भी की।

कलेक्टर ने लटेरी क्षेत्र में क्रियान्वित कार्यो का जायजा लिया

अनुपस्थित शिक्षक का एक दिन का तथा उपयंत्री का एक माह का वेतन रोकने के निर्देश

आंगनबाडी केन्द्र के मेन्यु में सब्जी नहीं देने पर समूह के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने विदिशा जिले के लटेरी विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामो में भ्रमण कर शासकीय योजनाओं व विकास कार्यो का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान उन्होंने लटेरी जनपद पंचायत के ग्राम बलरामपुर के स्कूल और आंगनबाडी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों से प्रश्न भी पूछे। बलरामपुर की माध्यमिक शाला के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए शिक्षक जगदीश शर्मा को एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए है तथा स्कूल में विद्युत वायरिंग मीटर से ठीक तरह से नही पाए जाने पर लटेरी जनपद के उपयंत्री उदयकांत शर्मा का एक माह का वेतन रोकने व नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। साथ ही कलेक्टर द्वारा बलरामपुर की मॉडल आंगनबाडी केन्द्र का भी अवलोकन किया गया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाडी केन्द्र में बिजली व्यवस्थाओं में अनियमितता पाए जाने पर लाइट लगाने, टूटे हुए पंखो को बदलने के निर्देश दिए है तथा आंगनबाडी में तैयार होने वाले भोजन व्यवस्था तथा भोजन की गुणवत्ता को भी जांचा है उन्होंने खाने के मेन्यु में सब्जी नहीं देने वाले समूह के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। आंगनबाडी केन्द्र के अवलोकन के दौरान बतलाया गया कि केन्द्र में 60 बच्चे दर्ज है मौके पर 15 बच्चे ही उपस्थित पाए गए थे।

सीएम राइज स्कूल निर्माण कार्यो का अवलोकन

कलेक्टर ने लटेरी में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ऐजेन्सियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है। लटेरी एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन को नियमित निरीक्षण की व्यवस्थाएं क्रियान्वयन कराने के निर्देश दिए है। कलेक्टरने लटेरी स्थित प्रदेश का एक मात्र पैक्स वेयर हाउस का निरीक्षण कर उपार्जन कार्यो सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गोबर गैस प्लांट का अवलोकन

कलेक्टर ने लटेरी भ्रमण के दौरान ग्राम मुरवास में गोबर गैस प्लांट का अवलोकन किया है इस दौरान हितग्राही जमीर खॉन ने बताया कि 40 हजार की लागत से बने इस गोबर गैस प्लांट प्रारंभ हो जाने के उपरांत उन्हें आज तक गैस की टंकी खरीदने की नौबत नहीं आई है। उन्हें बढिया खाद और गोबर गैस दोनो ही इस प्लांट से उपलब्ध हो रहे है। इसके अलावा कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम मुरवास में ग्रामीण नागरिको से रू-ब-रू होकर उनकी समस्याओं को भी जाना है समस्याओं के निराकरण के लिए उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देशित भी किया। इस दौरान ग्राम के सचिव को पंचायत की आमदनी बढाने के लिए विशेष पहल करने के निर्देश दिए है। मुख्य मार्ग पर होने के बावजूद भी ग्राम पंचायत की वार्षिक आमदनी 12 हजार रूपए है जो की बहुत कम है।

अस्पताल का निरीक्षण

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने लटेरी अस्पताल में आमजनो को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया है। उन्होंने यहां अस्पताल के विभिन्न वार्डो में क्या व्यवस्था की गई है कितने पलंग मरीजो के लिए उपलब्ध है को जाना है। उन्होंने अस्पताल परिसर की निगरानी के लिए सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए सीसी टीव्ही कैमरो की मॉनिटरिंग व्यवस्था का अवलोकन कर इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। साथ ही साथ उन्होंने दवा वितरण कक्ष में पहुंचकर मरीजो को निःशुल्क प्रदाय होने वाली दवाओं की जांच की है। उन्होंने दवाओं की एक्सपायरी डेट का परीक्षण कर एक्सपायरी डेट की दवाओं को नष्ट करने के निर्देश दिए है।

उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लटेरी में शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने उचित मूल्य दुकान में भण्डारित अनाज की गुणवत्ता को परखा तथा संबंधित अधिकारियों को उचित मूल्य दुकान से प्रतिमाह वितरित होने वाले राशन के भण्डारण एवं वितरण के संबंध में निर्देश देते हुए कहा है कि पात्रता पर्चीधारियों को समय पर राशन मुहैया हो इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

समर्थन मूल्य पर सोयाबीन विक्रय कार्य शुरू

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर 25 सितम्बर से 20 अक्टूबर 2024 तक सोयाबीन के पंजीयन की कार्यवाही संपादित की जायेगी।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के सचिव द्वारा जारी दिशा-निर्देश का हवाला देते हुए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बताया कि सोयाबीन के पंजीयन हेतु खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा धान, ज्वार एवं बाजरा के ई-उपार्जन पोर्टल के संदर्भ में जारी दिशा-निर्देश का अनुपालन सोयाबीन फसल के पंजीयन हेतु मान्य होगा

उपरोक्तानुक्रम में लेख है कि निम्न फसलों के .उचमनचंतरंद.दपब.पद ई- उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की व्यवस्था, पंजीयन केन्द्रों के निर्धारण, पंजीयन केन्द्रों का भौतिक एवं मानव संसाधनों की व्यवस्था, कृषको के पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया, प्रचार, प्रसार एवं प्रशिक्षण तथा वित्तीय व्यवस्था उपरोक्तानुसार उल्लेखित खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सरंक्षण विभाग के द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पंजीकृत कृषकों एवं रकबें का सत्यापन कार्य 25 सितम्बर से 25 अक्टूबर तक सुनिश्चित किया जायें ।

सोयाबीन उपार्जन - सोयाबीन उपार्जन हेतु किसानों द्वारा पंजीयन के समय आधार कार्ड, खसरा नकल एवं बैंक पासबुक की प्रति पोर्टल पर अपलोड की जाना अनिवार्य है। एनआईसी द्वारा उक्त सुविधा ई- उपार्जन पोर्टल में दी जावेगी।

बन्ने बेलदार का गिरफ्तारी वारंट हुआ जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने प्रेस नोट जारी करके बताया कि आरोपी बन्ने बेलदार, पिता मुंशी खां बेलदार,निवासी चौड़ाखेड़ी हाल मुकाम ग्राम मदागन टपरा,पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 344, 348, 365, 366 (क), 376 (डी), 109, 120 (बी) 193, 195, 196, 506, 34 तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 16ধ17 एवं 5 (जी)ধ6 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3 (2) (बी) के अधीन दण्डनीय अपराध किया है उक्त आरोपी बन्ने बेलदार फरार हो गया है । आरोपी की गिरफ्तारी हेतु माननीय विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) जिला विदिशा दवारा गिरफ्तारी बारंट जारी किया गया था उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिये बन्ने बेलदार अपने आपको छिपा रहा है .प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), जिला विदिशा द्वारा आरोपी बन्ने खां बेलदार के विरुद्ध फरारी उद्घोषणा दिनांक 23.09.24 को जारी की गई है एवं आरोपी बन्ने बेलदार के अपेक्षा की गई है कि वह माननीय न्यायालय के समक्ष परिवाद का उत्तर देने के लिए हाजिर हो ।

मेट्रो एंकर

शासकीय योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ अविलंब मिले हितग्राहियों को

अधिकारी बेहतर सेवाओं से जाने जाए, शासकीय खाद्यान्न का रात्रि में परिवहन नहीं करने के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिला मुख्यालय के दूरस्थ अनुभाग क्षेत्र लटेरी में संचालित शासकीय कार्यक्रमों योजनाओं तथा विकास निर्माण कार्यों की अध्ययन स्थिति का जायजा लिया है। एसडीएम कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह बेहतर सेवाएं प्रदाय के नाम से जाने जाएं। उन्होंने समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले के लिए स्थानीय भौगोलिक संरचनाओं को ध्यानगत रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व ग्राम स्तरीय अमले को निर्देशित किया है कि गर्भवती माता के सतत संपर्क में रहे और डिलीवरी ड्यू डेट के दौरान किसी प्रकार की सुविधा गर्भवती माता को ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए उन्होंने कहा की सेवाओं की पूर्ति का अंदाज लगाने के कई संसाधन है।

कलेक्टर श्री सिंह ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उचित मूल्य दुकानों में परिवहन करने वाले वाहन से रात्रि में शासकीय खाद्यान्न का परिवहन कदापि न हो। यदि वाहनों में खाद्यान्न भरने के दौरान शाम हो जाती है तो वहां इस स्थल पर ही खड़े रहे यह सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी आवश्यक व्यवस्थाएं क्रियान्वित करने हेतु ताकीद किया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि पिछले तीन व छः माह में जिन उपभोक्ताओं के द्वारा राशन का उठाव नहीं किया है उन सब की जांच पड़ताल कर नाम पृथक करने की कार्यवाही की जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में जब भी अवैध लकड़ियों के परिवहनकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तो उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें मीडिया को हरेक तथ्यों की जानकारी सांझा करें।

बिजली विभाग के अधिकारियों से बिजली की आपूर्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में बिजली की समस्या बनी रहती है अतः इस बात पर विशेष ध्यान रखा जाए की शासन के दिशा निर्देश अनुसार उपभोक्ताओं किसानों को नियत किए गए समय तक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो यदि किसी कारणवश से बिजली की आपूर्ति में कहीं कोई दिक्कतें आती हैं तो उसकी जानकारी उपभोक्ता किसानों को भी प्राप्त हो सके ऐसे संसाधनों का उपयोग करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने कृषि विभाग कॉ-ऑपरेटिव एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में खरीफ समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का पंजीयन कार्य भी आज से शुरू हो गया है। किसानों को पंजीयन कराने में कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो इसके लिए उन तक सभी जानकारियां सुगमता से पहुंचे ऐसी कार्य प्रणाली अपने के निर्देश देते हुए।

एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन को पंजीयन कार्य की समीक्षा सतत् करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीण विकास विभाग स्कूल शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग नगरी निकाय के अलावा अन्य विभागों के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यों की भी समीक्षा की है उक्त बैठक में स्थानीय एसडीएम के अलावा राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

दूसरा टेस्ट मैच: तीसरे स्पिनर के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

कुलदीप या अक्षर दोनों में से किसी एक को मिलेगा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच कल से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। ग्रीन पार्क में पेसर्स के मुकाबले स्पिनर्स को ज्यादा विकेट मिले हैं। इसे देखते हुए भारतीय टीम 3 स्पिनर्स को मौका दे सकती है। अगर 3 स्पिनर रहे तो कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक को मौका मिल सकता है।

बैटिंग लाइन

अप में बदलाव नहीं होगा कानपुर में संभव है कि बैटिंग लाइन-अप में बदलाव नहीं होगा। इसमें पांच बैटर और एक विकेटकीपर को मौका मिलेगा। विराट कोहली, केएल राहुल और विकेटकीपर ऋषभ पंत जैसे सीनियर प्लेयर्स की टेस्ट टीम में वापसी हो चुकी है। पंत ने तो पहले टेस्ट के दूसरी पारी में शतक लगाकर शानदार वापसी की। टॉप-3 पोजिशन पर रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का खेलना तय है।

2 तेज गेंदबाजों को मिल अजमाने की तैयारी

भारत प्लेइंग-11 में 2 तेज गेंदबाजों को मौका दे सकता है। इसमें जसप्रीत बुमराह खेल सकते हैं। उनके अलावा मोहम्मद सिराज, यश दयाल और आकाश दीप रेस में हैं। पिछले मैच में मोहम्मद सिराज और आकाश दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसलिए इन्हीं 2 में से किसी एक को मौका मिलेगा। सिराज का इकोनॉमी रेट अच्छा था, इसलिए सिराज यहां बाजी मार सकते हैं। यश दयाल अब तक डेब्यू नहीं कर सके हैं, इसलिए उन्हें मौका मिलना मुश्किल है। जुरेल, दयाल और सरफराज को रिलीज कर सकता है टीम ध्रुव जुरेल, यश दयाल और सरफराज खान अगर प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं हुए तो टीम उन्हें ईरानी कप के लिए रिलीज कर सकती है। वहीं अक्षर पटेल व आकाश दीप को बेंच पर बैठना पड़ सकता है। 2 ऑलराउंडर्स का खेलना तय टॉप-6 बैटर्स के बाद टीम इंडिया रवींद्र जडेजा और पिछले मैच में सेंचुरी लगाने वाले रविचंद्रन अश्विन के रूप में 2 सीनियर स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर्स को मौका देगी। स्पिन डिपार्टमेंट में अगर टीम ने 3 बॉलर्स रखे तो कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक को ही मौका मिला। बांग्लादेश को देखते हुए टीम इंडिया अपनी बॉलिंग डिपार्टमेंट को ही मजबूत करने पर ध्यान देगी।

विश्व कप में पहली बार महिलाएं ही होंगी मैच अधिकारी, 13 सदस्यीय पैनल की घोषणा

दुबई . एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तीन अक्टूबर से शुरू होने वाले आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप के लिए मैच अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी गई है। पहली बार महिला विश्व कप में सभी मैच अधिकारी महिलाएं होंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) द्वारा घोषित 13 सदस्यीय पैनल में भारत की जीएस लक्ष्मी मैच रेफरी की भूमिका निभाएंगी। आइसीसी ने विश्व कप के लिए तीन मैच रेफरी और 10 महिला अंपायरों का पैनल घोषित किया है। टी-20 महिला विश्व कप-यूएई में 3 अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, तीन मैच रेफरियों में भारत की जीएस लक्ष्मी भी शामिल होंगी।

पोलोसाक 5वीं बार विश्व कप में करेंगी अंपायरिंग

ऑस्ट्रेलिया की क्लेयर पोलोसाक पांचवीं बार विश्व कप में अंपायरिंग का जिम्मा संभालेंगी। वहीं किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स चौथी बार विश्व कप में अंपायर की भूमिका में होंगी। टीवी अंपायर सू रेडफर्न भी चौथी बार इस मेगा इवेंट में उतरेंगी। जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना पहली बार विश्व कप के मैच अधिकारियों में शामिल की गई हैं।

महिलाओं का अहम योगदान: सीन ईजी

आइसीसी के अंपायर और रेफरी समिति के वरिष्ठ प्रबंधक सीन ईजी ने कहा, यह एक अद्भुत फैसला है। महिलाओं का हमारे खेल की उन्नति में अहम योगदान रहा है। हमें इस पर गर्व है। ईजी ने कहा, हाल में द्विपक्षीय व अन्य क्रिकेट मैचों के प्रदर्शन के आधार पर हमने इस आयोजन के लिए सबसे योग्य अंपायरों का चयन किया है। इसमें दुनिया भर की बेहतरीन अंपायर शामिल हैं।

जानिए कौन होंगे मैच अंपायर

लॉरेन एजेनबैग, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन और जैकलीन विलियम्स।

एक मैच के लिए 4 लाख रुपए से ज्यादा मिलेंगे

एक रिपोर्ट के अनुसार एक विश्व कप मैच के लिए महिला अंपायरों को 5 हजार डॉलर यानि चार लाख रुपए से ज्यादा सैलरी दी जाती है। अंतरराष्ट्रीय मैच में यह राशि 3 हजार डॉलर ही होती है।

राफेल नडाल और अल्कारेज डेविस कप टीम में शामिल

टेनिस: नवंबर में होगा क्वार्टरफाइनल मुकाबला

मैड्रिड , एजेंसी

22 बार के ग्रैंड स्लेम विजेता राफेल नडाल को नवंबर में होने वाले डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल मुकाबले के लिए स्पेन की टीम में शामिल किया गया है। पूर्व विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी को युवा कार्लोस अल्कारेज, रॉबर्टो बतिस्ता अगुत, पाब्लो कैरेनो बुस्ता और मार्सेल ग्रैनोलर्स के साथ स्पेनिश टीम में जगह दी गई है। नडाल अंतिम बार पेरिस ओलंपिक में उतरे थे। उसके बाद फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण नडाल ने पिछले माह हुए यूएस ओपन और इस माह हुए लेवर कप टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।

नीदरलैंड्स से होगा सामना: 19 से 24 नवंबर तक होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में स्पेन का सामना नीदरलैंड्स से होगा। इस बीच विश्व नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी जेनिक सिनर इटली की टीम का नेतृत्व करेंगे। इटली का सामना अर्जेंटीना से होगा।

14 साल बाद ध्यानचंद स्टेडियम में होंगे मैच

हॉकी सीरीज: 23 व 24 अक्टूबर को भारत और जर्मनी के बीच खेली जाएगी स्पर्धा

नई दिल्ली. एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यह घोषणा की। दोनों टीमों के बीच पेरिस ओलंपिक में अंतिम चार मैच खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी थी। 2010 के बाद पहली बार नई दिल्ली में हॉकी मुकाबलों की वापसी होगी। आखिरी बार मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 2010 में हॉकी वर्ल्ड कप के अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स मैचों का आयोजन किया था।

कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी: हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, जर्मनी के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है और यह सीरीज प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत

टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी। हम इस सीरीज की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे।

जीवन और विजय की जोड़ी बनी चैंपियन

हांगझोउ ओपन टेनिस

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत के जीवन नेदुनचेझियान और उनके जोड़ीदार विजय सुंदर प्रशांत ने मंगलवार को हांगझोउ ओपन में पुरुष युगल खिताब जीत लिया। यह जोड़ी के रूप में जीवन और विजय का पहला एटीपी खिताब है। वहीं युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी को चेंगदू ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। जीवन और विजय की गैरवरीय भारतीय जोड़ी ने एक घंटे और 49 मिनट तक चले मुकाबले में कॉन्स्टेंटिन फ्रांत्जेन और हेंड्रिक जेबेंस की जर्मन जोड़ी को 4-6, 7-6, 10-7 से शिकस्त दी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'मुझे मिडिल क्लास के रोल में ही कास्ट किया जाता है', स्टीरियोटाइपिंग का शिकार मनोज

मनोज बाजपेयी ने हाल ही में, एक साक्षात्कार में इस बात पर अफसोस जताया कि उन्हें मिडिल क्लास या किसी गरीब की कहानियों के किरदारों में कास्ट किया जाता है और कभी भी अमीर व्यक्ति के किरदार में नहीं दिखाया जाता। मनोज बाजपेयी बॉलीवुड के सेल्फ मेड अभिनेताओं में से एक हैं। उन्होंने अपनी काबिलियत और मेहनत के दम पर एक शानदार अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में, उन्हें '70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार' स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया। मनोज ने अपने सफर को लेकर खुलकर बात की है और बताया है वह भी स्टीरियोटाइपिंग के शिकार हुए थे। अभिनेता ने बताया कि उन्हें मिडिल क्लास या किसी गरीब का रोल ही ऑफर किया जाता है।

निर्माताओं ने एक ही रोल में बांधा: मनोज बाजपेयी ने हाल ही में, बॉम्बे टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार में इस बात पर अफसोस जताया कि उन्हें मिडिल क्लास या किसी गरीब की कहानियों के किरदारों में कास्ट किया जाता है और कभी भी अमीर व्यक्ति के किरदार में नहीं दिखाया जाता। उन्होंने कहा, गुलमोहर से पहले एकमात्र फिल्म, जिसमें मैंने एक अमीर आदमी की भूमिका निभाई थी, वह थी जुबैदा। यह श्याम बेनेगल का विश्वास था।

वीर-जारा में मैंने पाकिस्तान के एक राजनेता की भूमिका निभाई। इसमें मेरे दो सीन थे, लेकिन यशजी अड़े थे कि मैं इसे करूं। उन्होंने पिंजर देखने के बाद मुझे कास्ट किया।

इंडस्ट्री में आज भी मौजूद है स्टीरियोटाइपिंग: मनोज ने कहा कि फिल्म निर्माता उन्हें एक अमीर आदमी के रूप में दिखाने को लेकर काफी कंफ्यूज थे। इन फिल्म निर्माताओं के पास वह दृष्टि थी, जो जीवन को करीब से देखने से आई है। बाकी लोगों को मुझे अमीर दिखाने में दिक्कत होती है। मैंने जो भूमिकाएं निभाईं। वह या तो किसी मिडिल क्लास या फिर किसी गरीब की कहानी पर आधारित थी। कोई भी निर्देशक मुझे अमीर आदमी की भूमिका में नहीं देख सकता है। इंडस्ट्री में आज भी यह स्टीरियोटाइपिंग मौजूद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी अपनी आगामी सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर काफी चर्चा में हैं और दर्शक भी अभिनेता को एक बार फिर पर्दे पर धमाल मचाते देखने के लिए उत्साहित हैं।

सीन को नेचुरल बनाने जीनत ने फिल्म में फूंका चिलम

देव आनंद और जीनत अमान की फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' के सॉन्ग 'दम मारो दम' से जीनत अमान को इंडस्ट्री में एक अलग पहचान मिली थी। इस गाने में जीनत को चिलम फूंकते हुए दिखाया गया था। आमतौर पर तो स्टार्स ऐसे शूट के लिए सिर्फ नशे में होने की एक्टिंग करते हैं, लेकिन जीनत ने इस गाने के लिए सच में नशा किया था। इसका खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया है। उन्होंने बताया, 'मेरी मां को जब इस बारे में पता चला तो वह भड़क गई थीं।' दरअसल, जीनत अमान ने इंस्टाग्राम पर 'दम मारो दम' सॉन्ग की एक फोटो शेयर की। जिसके कैप्शन उन्होंने इस गाने से जुड़ा एक किस्सा बताया है। जीनत ने लिखा, 'हम काठमांडू में 'हरे रामा हरे कृष्णा' की शूटिंग कर रहे थे। देव साहब ने 'दम मारो दम' सॉन्ग के लिए सड़कों से हिप्पियों के एक ग्रुप को इकट्ठा किया था। हिप्पी भी इसे करने के लिए काफी एक्साइटेड थे, क्योंकि एक तो उन्हें नेपाल में हशीश के साथ चिलम पैक करने का मौका मिल रहा था। दूसरा बॉलीवुड फिल्म में काम करने के लिए मुफ्त खाना मिल रहा था। साथ ही इसके लिए उन्हें पैसे भी मिल रहे थे।' जीनत ने बताया, 'देव आनंद इस सीन को पूरी तरह से रियल बनाना चाहते थे।

स्टाइलिश एक्टर्स थे फिरोज खान, फिल्म हिट होने पर नोट गिनने रखनी पड़ी थी टीम

फिरोज खान का जन्म 25 सितंबर 1939 को बैंगलोर में हुआ था। फिरोज का असली नाम जुल्फिकार अली शाह खान है। फिरोज एक भारतीय अभिनेता होने के साथ ही फिल्म निर्माता और निर्देशक भी थे। फिरोज खान इंडस्ट्री के मोस्ट स्टाइलिश एक्टर्स में से एक थे। अपनी डायलॉग डिलीवरी, गुड लुक्स, चार्मिंग स्टाइल से एक्टर ने फैंस का दिल जीता। आज उनकी जन्म तिथि पर जानिए उनसे जुड़ी कुछ खास बातें। एक सफल अभिनेता होने के साथ फिरोज खान निर्देशक और निर्माता भी थे। उनके निर्माण-निर्देशन में बनी कुछ फिल्में आज भी आइकॉनिक मानी जाती हैं। रोमांचक कहानी के साथ मधुर संगीत उनकी फिल्मों का हिस्सा रहा है। 70-80 के दशक के सबसे खूबसूरत हीरोज में से एक फिरोज को इंडस्ट्री का 'काऊ' ब्वॉय कहा जाता था। आज उनकी जन्म तिथि पर जानिए उनसे जुड़ी कुछ खास बातें।

अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर हैं फिरोज: आज भी फिरोज भारतीय सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में 60 से अधिक फिल्मों में काम किया और बॉलीवुड के लोकप्रिय स्टाइल आइकन में से एक बन गए। फिरोज ने आरजू, सफर, मेला, अपराध, खोटे सिक्के, काला सोना, धर्मात्मा, नागिन, कुर्बानी, जांबाज और वेलकम जैसी सफल हिंदी फिल्मों में बेहतरीन भूमिकाओं से सभी का दिल जीता है। फिल्म दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो हमेशा अपनी शर्तों पर काम करना पसंद करते हैं। उन्हीं अभिनेताओं में से एक थे फिरोज खान। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 10 सितंबर 1976 को प्रकाश मेहरा फिल्म हेरा फेरी का ऑफर फिरोज के पास लेकर गए थे। लेकिन फिरोज ने यह फिल्म ठुकरा दी क्योंकि इस फिल्म की शूटिंग संडे को थी। फिरोज के बाद यह फिल्म अमिताभ बच्चन को मिली। अपनी स्कूलिंग पूरी करने के बाद फिरोज मुंबई आए और उन्होंने पहली फिल्म 1956 में की, जिसमें उनका एक छोटा सा किरदार था। इस फिल्म का नाम 'हम सब चोर है' था। इसके बाद उन्होंने जमाना, ब? सरकार और दीदी जैसी फिल्मों सेकंड लीड के तौर पर काम किया।

मेट्रो बाजार

पहली बार 75 हजार के पार निकला सोना, 75,260 पर पहुंचा

नईदिल्ली. एजेंसी

सोने की कीमत अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 496 रुपए बढ़कर 75,260 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 74,764 रुपए प्रति दस ग्राम थे। इस हफ्ते सोना अब तक 1167 रुपए महंगा हो चुका है। चांदी की कीमत में भी आज बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 1,922 रुपए महंगी होकर 90,324 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 88,402 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है। सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

सोना खरीदते समय इन 3 बातों का रखें ध्यान: सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- 4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। कीमत क्रॉस चेक करें सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। कैश पेमेंट न करें, बिल लें सोना खरीदते वक्त कैश पेमेंट की जगह (जैसे भीम ऐप) और डिजिटल बैंकिंग के जरिए पेमेंट करना अच्छा रहता है। आप चाहें तो डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भी पेमेंट कर सकते हैं। इसके बाद बिल लेना न भूलें।

एसएमई आइपीओ को लेकर बैंकों की जांच

मुंबई. एजेंसी

बाजार नियामक सेबी एसएमई आइपीओ में हो रही गलत प्रैक्टिस को लेकर 6 घरेलू इन्वेस्टमेंट बैंकों की जांच कर रहा है। यह जांच इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी और एसएमई आइपीओ हैंडल करने के लिए इन्वेस्टमेंट बैंकों की तरफ से वसूली गई फीस पर फोकस्ड है। सूत्रों ने बताया कि इन बैंकों ने आइपीओ के जरिए जुटाई गई राशि का 15त्न फीस के रूप में वसूला, जो भारत में सामान्य तौर पर 1-3त्न की दर से काफी अधिक है। सेबी ने ऑडिटर्स और एक्सचेंजों से सतर्क रहने और उन मामलों में कंपनियों की लिस्टिंग को रोकने के लिए कहा है जहां आइपीओ डॉक्यूमेंट्स में दी गई जानकारी से असंतोष है। सेबी की प्रारंभिक जांच के अनुसार, इन ऊंची फीस का उद्देश्य एसएमई आइपीओ को ओवर-सब्सक्राइब करना है। सेबी इन बैंकों और निवेशकों के बीच को-ऑर्डिनेटेड एक्टिविटी को रोकने का प्रयास कर रहा है, जो नियमों का उल्लंघन करते हुए हाई नेटवर्थ वाले व्यक्तियों और सामान्य रिटेल निवेशकों के रूप में भारी बोली लगाते हैं। यह बोली असली नहीं होती और अलॉटमेंट के समय रद्द कर दी जाती है, लेकिन इसकी वजह से अन्य निवेशक आकर्षित हो जाते हैं।

मुख्य रेलवे स्टेशन पर महिला यात्री से सोने हार झपटा

ट्रेन गेट के पास खड़े मोबाइल चला रहे यात्री का मोबाइल लूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों और रेल परिसर में लूट समेत चोरी के अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। भदभदा घाट के पास पंजाब मेल ट्रेन की गति कम होते ही नीचे पटरी किनारे खड़े बदमाश ने ट्रेन के गेट पर खड़े यात्री का मोबाइल झपट लिया। इधर, मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक-6 पर भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए एक महिला यात्री के गले से सोने का हार खींच लिया। जीआरपी भोपाल ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी के अनुसार मूलरूप से जिला बालाघाट निवासी हर्ष क्षीरसागर विगत 16 सितंबर को पंजाब मेल ट्रेन के जनरल कोच से भोपाल से विदिशा की यात्रा कर रहे थे। जब ट्रेन रेलवे स्टेशन भदभदा घाट से धीमी गति से निकल रही थी, उस समय वह ट्रेन के गेट के पास मोबाइल लेकर खड़े थे। उसी दौरान पटरी किनारे खड़े एक लड़के ने झपट्टा मारकर हर्ष का मोबाइल छीन लिया और भाग खड़ा हुआ। रनिंग होने के कारण फरियादी ट्रेन से नीचे नहीं उतर सका। मोबाइल की कीमत करीब 19 हजार रुपए बताई गई है।

इधर, प्लेटफॉर्म पर महिला यात्री के गले से सोने का हार खींचा

जीआरी के अनुसार मूलरूप से जैन कॉलोनी सनावद जिला खरगौन निवासी सपना ठाकुर पत्नी विजय सिंह ठाकुर (43) विगत 17 अगस्त को भोपाल में अपने जीजा से मिलने आई थीं। फिर वह भोपाल से सागर जाने के लिए निकलीं। भोपाल के मुख्य रेलवे स्टेशन पर भीड़भाड़ अधिक थी। जैसे ही वह प्लेटफार्म क्रमांक-6 पर ब्रिज से नीचे उतरीं तो देखा कि उनके गले में लटका सोने का हार गायब है। कोई अज्ञात बदमाश महिला के गले से सोने का हार खींचकर फरार हो गया। फरियादिया का कहना है कि घटना के बाद उनका ब्लड प्रेशर लो हो गया था। वह घबरा गई और भोपाल से सागर आ गईं। बाद में वह अपने भाई के साथ थाना जीआरपी सागर पहुंची और जीरो पर प्रकरण दर्ज करा दिया। सागर से डायरी जीआरपी भोपाल को भेजी गई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ट्रेन में कॉलेज छात्र का कीमती लैपटाप ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केरला एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक कालेज छात्र का लैपटाप से भरा बैग चोरी चला गया. चोरी गए लैपटाप की कीमत 65 हजार रुपए बताई गई है. जानकारी के अनुसार चंद्रपुर महाराष्ट्र निवासी आयुष राज (19) भोपाल में रहकर पढ़ाई करता है. पिछले दिनों वह केरला एक्सप्रेस से भोपाल आ रहा था. इस दौरान उसने अपना लैपटाप वाला बैग सीट पर रखा था. भोपाल स्टेशन आने से करीब पांच मिनट पहले नींद खुली तो बैग गायब था। बैग में 65 हजार का लैपटाप, चार्जर, कालेज का आईकार्ड समेत अन्य सामान रखा था। इसी प्रकार कानपुर उत्तर प्रदेश निवासी श्रेयांश जैन भोपाल इंदौर एक्सप्रेस में भोपाल से इंदौर जा रहा था। ट्रेन में चढ़ने के बाद देखा तो पैंट की जेब में रखा 8 हजार रुपए कीमत का मोबाइल चोरी हो चुका था।

इधर, बालाघाट निवासी हर्ष क्षीरसागर पंजाब मेल के जनरल कोच में भोपाल से विदिशा की यात्रा कर रहा था। भदभदा घाट के पास ट्रेन धीमी रफ्तार से चल रही थी। उस वक्त हर्ष कोट के गेट पर मोबाइल लेकर खड़ा हुआ था। उसी समय पटरी के किनारे खड़े एक युवक ने झपट्टा मारकर उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकला। ट्रेन चल रही थी, इसलिए हर्ष उतर नहीं पाया। लूटे गए मोबाइल की कीमत 19 हजार रुपए बताई गई है। बैग और जेब से 2 मोबाइल चोरी दिल्ली निवासी शगुफ्ता भोपाल एक्सप्रेस से दिल्ली से रानी कमलापति की यात्रा कर रही थी। स्टेशन आने पर उन्होंने अपना बैग चैक किया तो अंदर रखा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार पांच सौ रुपये बताई गई है। इसी प्रकार नरसिंहपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार महोबिया भोपाल से करेली जाने के लिए अमरकंटक एक्सप्रेस में सवार हुए थे। ट्रेन जब रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से निकल रही थी, तभी उनकी जेब से किसी ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 14 हजार पांच सौ रुपये बताई गई है।

बच्चों को स्कूल से लेकर लौट रहे युवक पर हमला

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में स्कूटर सवार एक युवक पर दो लोगों ने डंडे से हमला कर दिया। घटना के समय युवक अपने भांजों को स्कूल से लेकर घर लौट रहा था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दीपक खटीक (34) नई बस्ती एकता नगर सूखी सेवनिया में रहता है और मजदूरी करता है। मंगलवार को वह अमोनी चौराहा स्थित स्कूल से अपने भांजों को लेकर स्कूटर से घर लौट रहा था। थोड़ा आगे चलते ही मोहल्ले में रहने वाला भगवानदास डंडा लेकर खड़ा मिला। उसके साथ सूखी सेवनिया का ओलंगा भी था। भगवानदास ने दीपक को रोका और उस पर डंडे से हमला कर दिया।

स्कूटी सवारों ने ऑटो में बैठे युवक से मोबाइल झपटा, रेड सिग्नल पर भागे लुटेरे

बागसेवनिया थाने के बगल में शाम पांच बजे हुई वारदात, फरियादी ने पीछा किया नारायण नगर सर्विस लेन पर स्कूटी छोड़कर भागे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाने के बगल में सुपर चिकन शॉप के सामने आटो से जा रहे युवक से स्कूटी सवार बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। बदमाश मोबाइल लूटने के बाद बागसेवनिया थाने के सामने तिराहा से आरआरएल तिराहा की तरफ भागे थे। मोबाइल छीनने के बाद फरियादी ने भी बाइक से जा रहे युवक की मदद ली और उनका पीछा किया। इस दौरान आरोपी नारायण नगर में सर्विस लेन पर स्कूटी छोड़कर पटरियों की तरफ भाग निकले। पुलिस ने स्कूटी जब्त कर ली है। स्कूटी के नंबर पर पुलिस अवधपुरी पहुंची तो पता चला कि जिसके नाम पर उक्त स्कूटी है। उस युवती की तीन साल पूर्व मौत हो चुकी है। पुलिस के अनुसा अनिल कुमार पिता श्रीराम प्रसाद (45) मूलतः बिहार के रहने वाले हैं और बावड़िया कला में निर्माणाधीन मकान में रहते हैं। बुधवार को वह बागसेवनिया मार्केट खरीदारी करने के लिए पहुंचे। खरीदी करने के बाद वह आटो से बागसेवनिया तिराहा की तरफ आ रहे थे। वे आटो में किनारे में बैठे थे। शाम करीब पांच बजे थाने के बगल में सुपर चिकन शॉप के सामने पहुंचते ही एक स्कूटी पर आए दो बदमाशों में पीछे बैठे बदमाश ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया।

ऑटो से कूदकर किया लुटेरो का पीछा

मोबाइल छीनने के बाद बदमाश भागे तो सिग्नल रेड हो गया। बावजूद इसके आरोपी आरआरएल तिराहे की तरफ भागने लगे। उनका पीछा करने अनिल कुमार आटो से कूद गए और तिराहा पर एक बाइक सवार की मदद मांगी। बाइक सवार ने अनिल कुमार के साथ लुटरो का पीछा किया। आरोपियों ने स्कूटी नारायण नगर की तरफ सर्विस लेन पर डाल ली। उन्हें पता चला कि उनका बाइक से पीछा किया जा रहा है तो वह अपनी स्कूटी छोड़कर भाग निकले। लूटे गए मोबाइल कीमत पंद्रह हजार रुपए बताई जा रही है।

भोपाल। हमीदिया अस्पताल के प्रांगण में 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत महापौर ने पौधारोपण किया।

पत्थर मारकर जैन मंदिर के कांच तोड़े

भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र शंकराचार्य नगर में एक युवक ने अपने भाई के साथ मिलकर पत्थर से जैन मंदिर के कांच तोड़ दिए। पुलिस ने मंदिर के अध्यक्ष की रिपोर्ट पर दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सुनील जैन (46) शंकराचार्य नगर में रहते हैं और जैन मंदिर के अध्यक्ष हैं। सुनील ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह मंदिर में पूजापाठ कर रहे थे, तभी मंदिर के ऊपर से कांच टूटने की आवाज आई। सुनील और बाकी लोग बाहर निकले तो देखा कि मंदिर के पीछे रहने वाला गुलशन और उसका भाई पत्थर उठाकर मंदिर के कांच पर मार रहे थे, जिससे मंदिर की खिड़की के कांच टूट गए थ। सुनील ने जब दोनों को ऐसा करने से मना किया तो वह उनके साथ गाली-गलौज करने लग। पुलिस ने गुलशन और उसके भाई के खिलाफ तोडफोड़ समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

प्रशासनिक अफसरों ने किया डायल 100 का भ्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 43 परिवीक्षाधीन प्रशासनिक अफसरों ने बुधवार को राज्यस्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल 100 का भ्रमण किया। यह प्रशासनिक अधिकारी पुलिस अकादमी में पांच दिवसीय पुलिस परिचयात्मक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। भ्रमणकर्ता अधिकारियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेडियो विजय कुमार खत्री के मार्गदर्शन, पुलिस अधीक्षक बीना सिंह के निर्देशन में डायल 100/112 की टीम ने सेवा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उप पुलिस अधीक्षक डायल 100 धर्मवीर सिंह ने भ्रमणकर्ता अधिकारियों को कॉलटेकर कक्ष एवं डिस्पेचर कक्ष का भ्रमण कराकर प्राप्त सूचना पर होने वाली कार्यवाही से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अत्याधुनिक तकनीकि संसाधनों का उपयोग करके की जा रही उत्कृष्ट पुलिसिंग के बारे मे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डायल 100 सेवा, देश की प्रथम राज्यस्तरीय एकीकृत पुलिस आपातकालीन सेवा है। भ्रमणकर्ता अधिकारियों को प्रदेश के 60 विभिन्न शहरों में सीसीटीवी योजना के अंतर्गत सिटी सर्विलेंस हेतु स्थापित 11000 से अधिक कैमरों के संबंध में एससीएमआरसी का भ्रमण कराकर विविध जानकारी दी गयी। साथ ही व्हीकल सर्च हेतु उपयोग में लाये जाने वाले एएनपीआर कैमरे, वीडीपी पोर्टल के संबंध में डेमो दिया गया तथा सीसीटीवी कैमरों की लाईव मॉनिटरिंग के द्वारा जानकारी दी गयी।

बाइक चालक पर एक्सीडेंट का केस, टक्कर से बुजुर्ग की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर पुलिस ने एक बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी की बाइक से घायल हुए 65 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई थी। घटना करीब चार महीने पहले की है। जानकारी के अनुसार मुन्ना पुत्र फैजू (65) भानपुर मल्टी छोला रोड पर रहते थे। बीती 31 मई की रात करीब सवा 9 बजे वह भानपुर मैरिज गार्डन के पास से निकल रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मुन्ना को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 17 जून को उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए. एक युवक ने पुलिस को बताया कि घटना के समय प्लेटिना बाइक चालक ने मुन्ना को टक्कर मारी थी। उन्होंने बाइक चालक रोक लिया था, लेकिन घायल को सम्भालने के दौरान वह बाइक लेकर भाग निकला था। डाक्टर ने भी मुन्ना की मौत एक्सीडेंट में आई चोटों के कारण होना बताया, जिसके बाद पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

शादी का झांसा देकर युवती का किया शोषण, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक बैरसिया इलाके में रहने वाली 23 वर्षीय युवती एमबीए पास करने के बाद एक निजी संस्थान में इंटरव्यू के लिए पहुंची थी। वहां उसे डाटा एंट्री का काम मिल गया। इसी संस्थान में संदीप नामक युवक काम करता था, जिससे उसकी दोस्ती हो गई थी। घूमने-फिरने के दौरान संदीप ने युवती के साथ कई फोटो खींच लिए थे। संदीप ने युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो उसने घरवालों की मर्जी से शादी करने की बात कही। संदीप ने इन्हीं फोटो की मदद से उसका शारीरिक शोषण करने लगा। हालांकि बाद में उसने शादी करने से इंकार कर दिया तो पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

मेट्रो एंकर | **क्राइम ब्रांच की टीम ने दी दबिश**

छोला मंदिर विश्राम घाट पर जुए की फड़ पर छापा, सोलह जुआरी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर विश्राम घाट पर जुआ खेल रहे जुआरियों की फड़ पर क्राइम ब्रांच की टीम ने दबिश देकर 16 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जुआरियों के पास से ताश की गड्डी और 30 हजार 900 रुपए की नगदी बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की कार्रवाई की जा रही है। एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि छोला विश्राम घाट पर जुए की फड़ बैठी हुई है। क्राइम ब्रांच ने दो अलग अलग टीम का गठन किया और दबिश दी। इस दौरान जुआरियों में भगदड़ मच गई। हालांकि क्राइम ब्रांच की टीम ने सभी जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 30 हजार 900 रुपए की नगदी और ताश की गड्डी बरामद की है।

इन जुआरियों की हुई गिरफ्तारी:

जुआरियों की पहचान नरेश कुशवाह, नमन कुरील, आकाश रैकवार, आसिफ खान, मनोज साहनी, मोहम्मद अनस, शेख फैजान, समीर शेख, फईम शेख, अनिल तोमर, राहुल बैरागी, योगेंद्र बमरेले, अफजल खान, अमन छिपेलिया, अशीष परिहार और अजय सिंह के रूप में की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ जुआ एक्ट की कार्रवाई की है।

जिला बदर का उल्लंघन करते बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। अरेरा हिल्स मे पुलिस जिला बदर का उल्लंघन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पांच अगस्त को ही जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। उसे छह महीने के लिए जिले और आसपास की सीमा से दूर रहने की हिदायत दी गई। बावजूद इसके आरोपी इलाके में भी घूम रहा था। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि भरत मोरे पिता स्वर्गीय लक्ष्मण मोरे (37) चार नल के पास भीमनगर, अरेरा हिल्स जिला बदर होने के बाद भी इलाके में घूम रहा है। आरोपी पर आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल द्वारा जिला बदर की कार्रवाई करते हुए भोपाल एवं उससे लगे जिले विदिशा, सीहोर, राजगढ, रायसेन एवं नर्मदापुरम की राजस्व सीमाओं बाहर रहने के आदेश पारित किए थे।

आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी

भोपाल। शहर के विभिन्न इलाकों से चोर आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शंकराचार्य नगर स्टेशन बजरिया निवासी विपिन कुमार साहू कास्मेटिक ज्वैलरी की दुकान चलाते हैं। रात करीब ग्यारह बजे उन्होंने अपनी बाइक बिल्डिंग की पार्किंग में खड़ी की थी। अगले दिन तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनके पिता की नजर पड़ी तो उनकी होंडा साइन बाइक गायब थी। आसपास तलाश करने पर भी बाइक नहीं मिली तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार न्यू सुभाष कालोनी अशोका गार्डन से सादाब अंसारी, कमला नगर स्थित आईआईएफएम के सामने से मो। शकील खान, गोविंदपुरा मार्केट से विनोद रजक, हमीदिया अस्पताल परिसर से अलका संगीता और राम नगर कालोनी शाहजहांनाबाद से आबिद खान की बाइक चोरी हो गई।

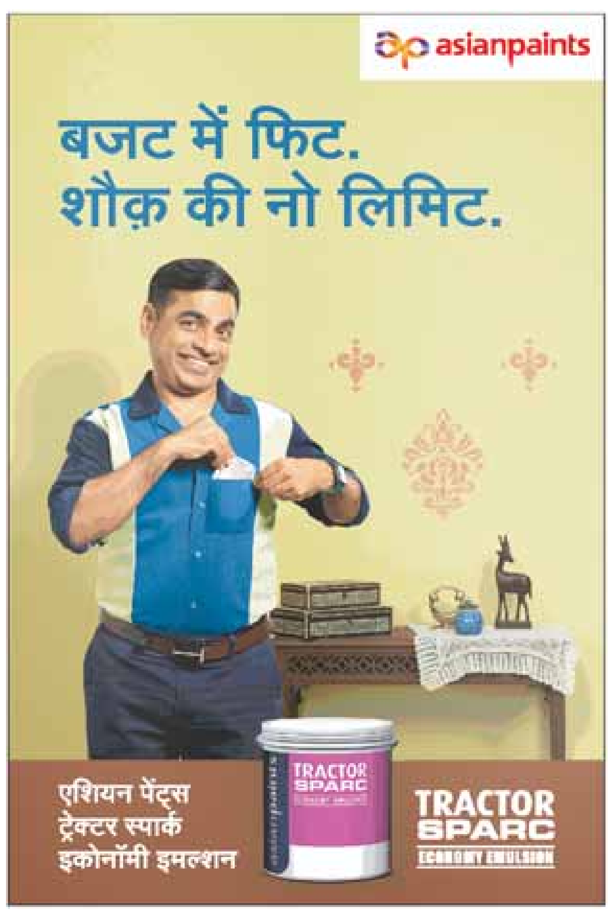

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022